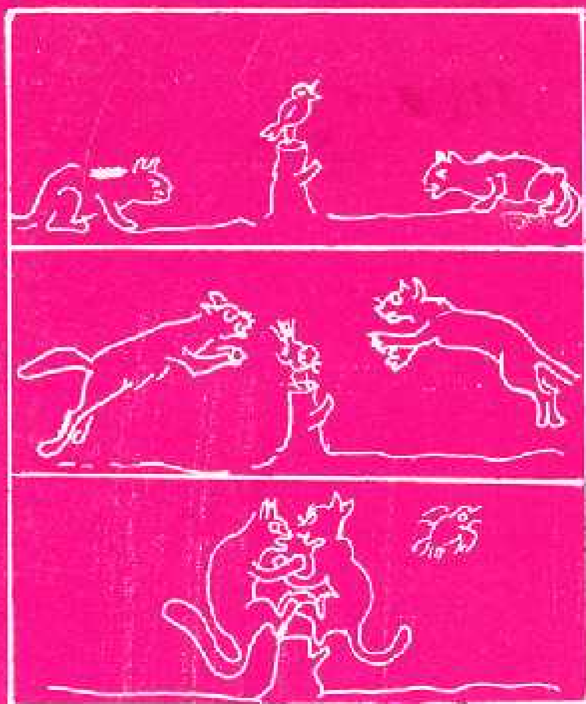
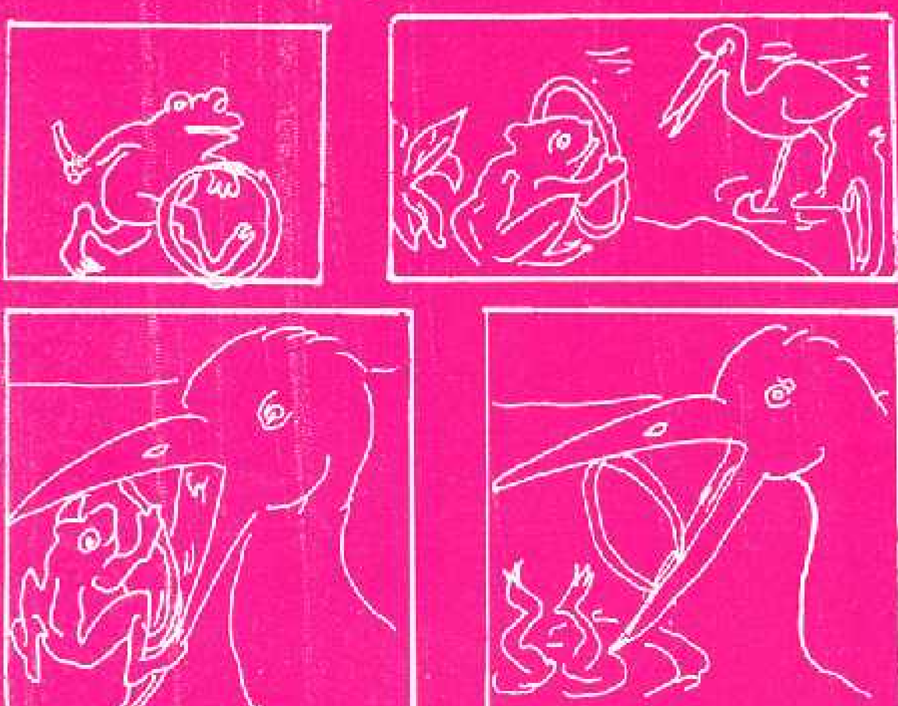




खुशी-खुशी

कक्षा - 1



की

किताब



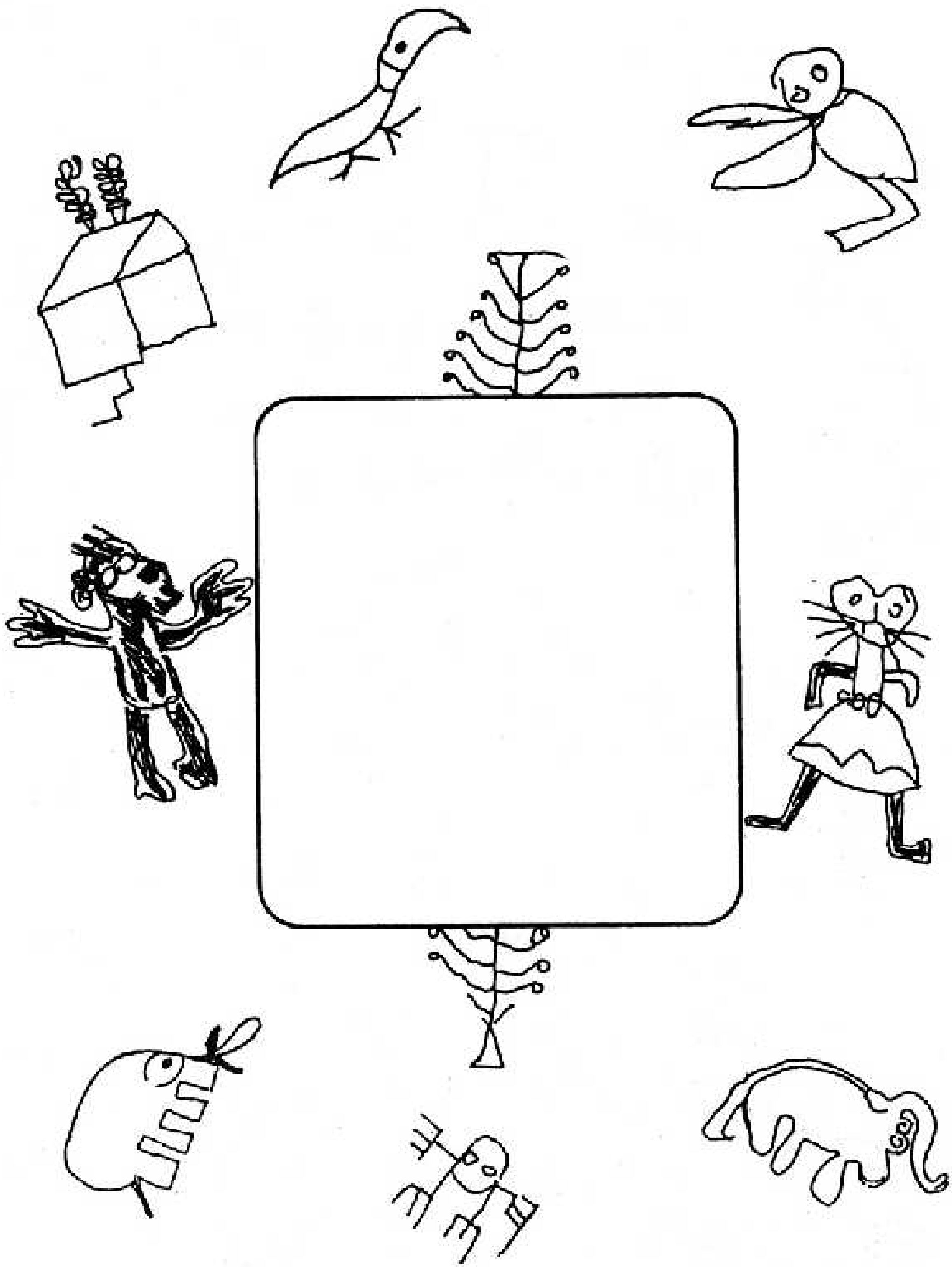
खुशी-खुशी, कक्षा 1

यह पुस्तक एकलव्य के प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के तहत तैयार की गई है।
सामग्री तैयार करने में कई स्रोतों से मदद ली गई।

प्रकाशक: एकलव्य
ई 10, बीडीए कॉलोनी शंकर नगर,
शिवाजी नगर, भोपाल - 462 016 (म.प्र.)
फोन: (0755) 255 0976, 267 1017
www.eklavya.in / books@eklavya.in

तीसरा संस्करण: फरवरी 2004
पुनर्मुद्रण: फरवरी 2006/3000 प्रतियाँ
दूसरा पुनर्मुद्रण: मार्च 2008/1000 प्रतियाँ
तीसरा पुनर्मुद्रण: सितम्बर 2008/2000 प्रतियाँ
चौथा पुनर्मुद्रण: दिसम्बर 2008/5000 प्रतियाँ
पाँचवाँ पुनर्मुद्रण: दिसम्बर 2011/3000 प्रतियाँ
कागज़: 70 gsm मेपलिथो एवं 150 gsm पल्प बोर्ड कवर
मूल्य: ₹ 42.00 ISBN: 978-81-87171-56-0

मुद्रक: आर. के. सिक्युप्रिंट प्रा. लि., भोपाल फोन: (0755) 2687 589



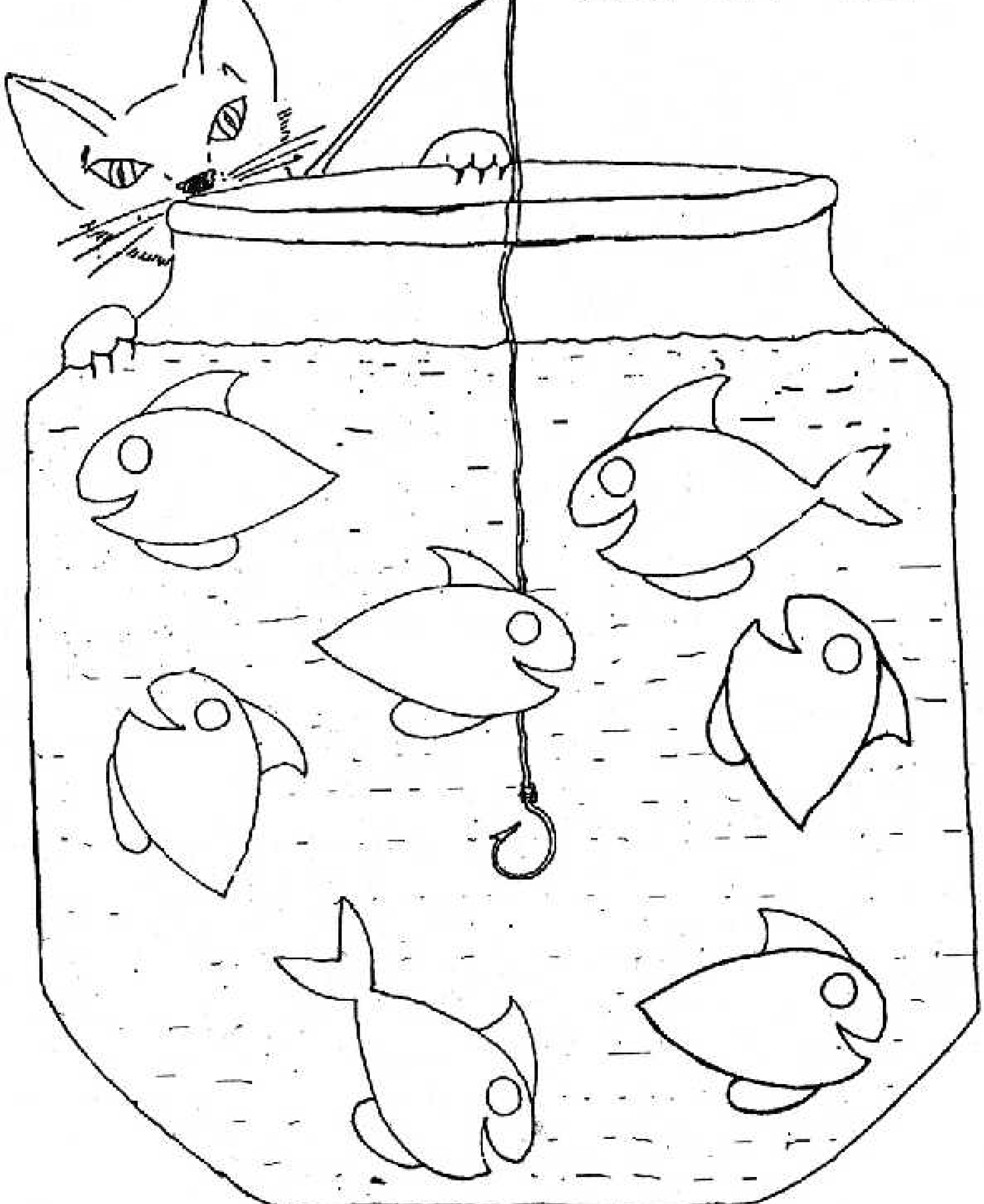
फल

चली हवा है सर सर सर
झड़ती पत्ती झर झर झर
टपक रहे हैं टप टप फल
ढूँढो इनमें कितने फल।

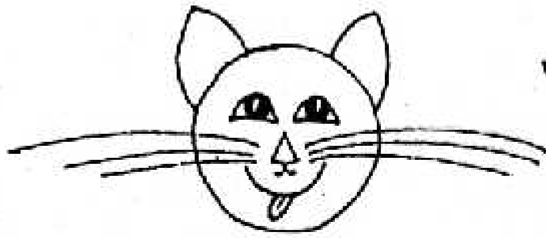


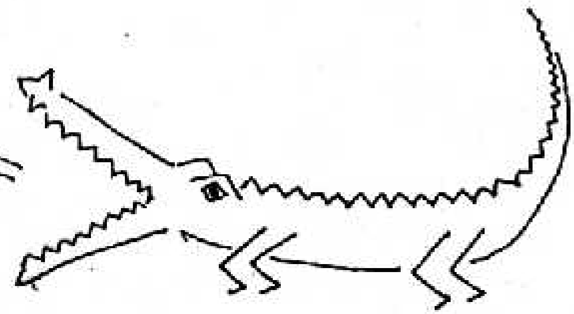
सर झर टप फल

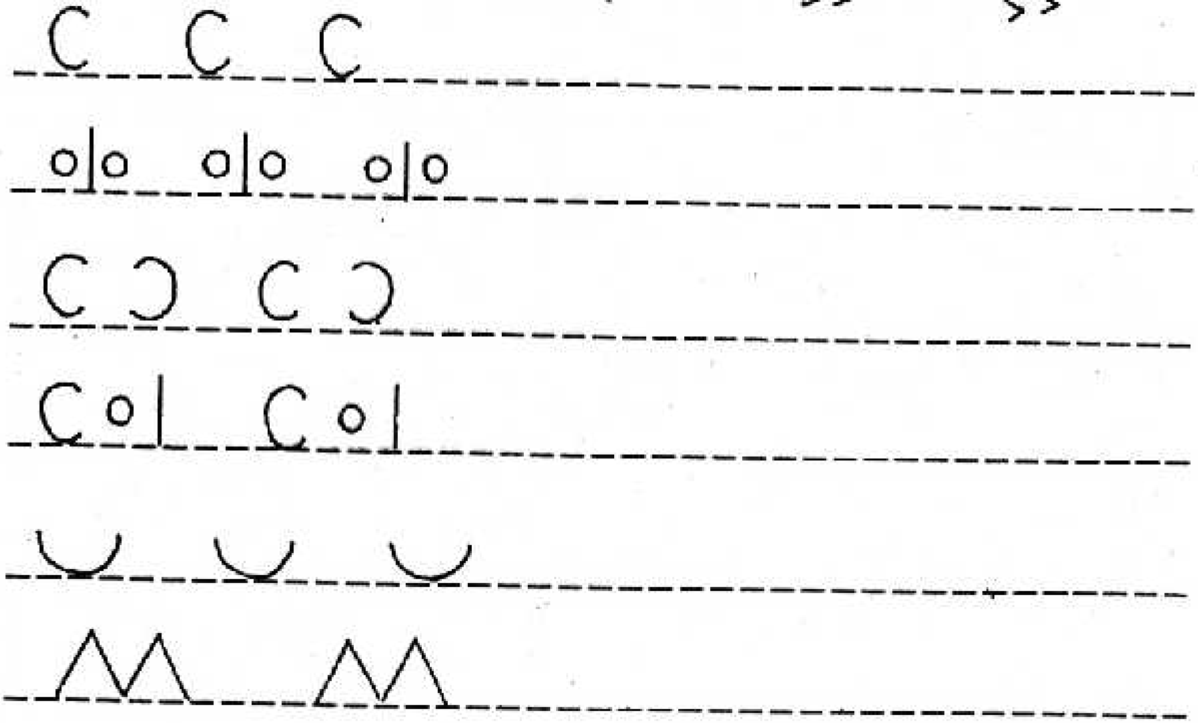
बिल्ली और मछली

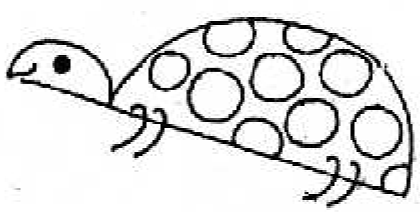


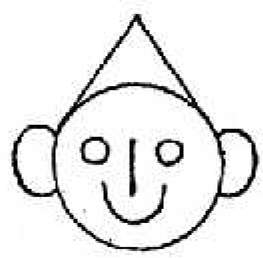
बिल्ली और मगर





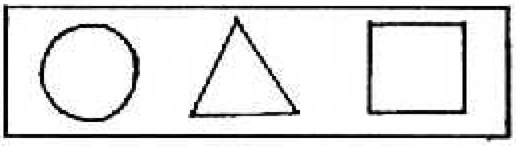


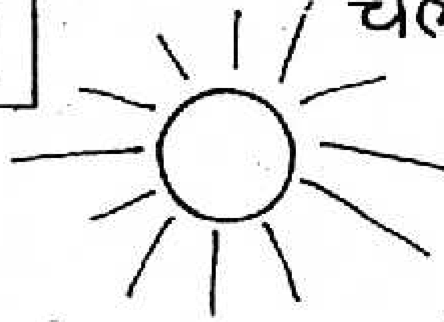


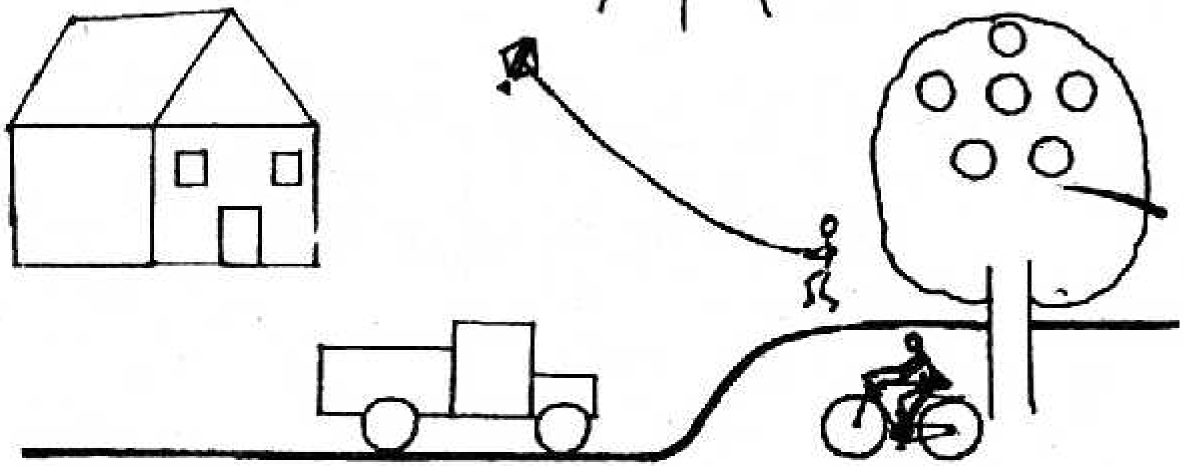


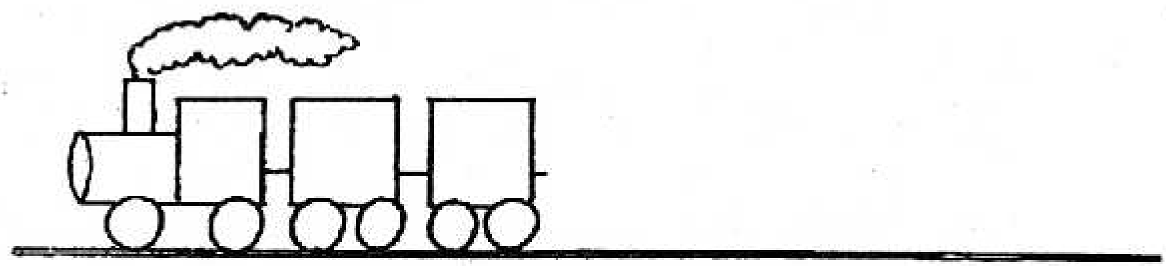
कछुआ जी और जोकर

चलो सैर पर









छूटे डिब्बे, अटकी रेल
बनते डिब्बे, भगती रेल

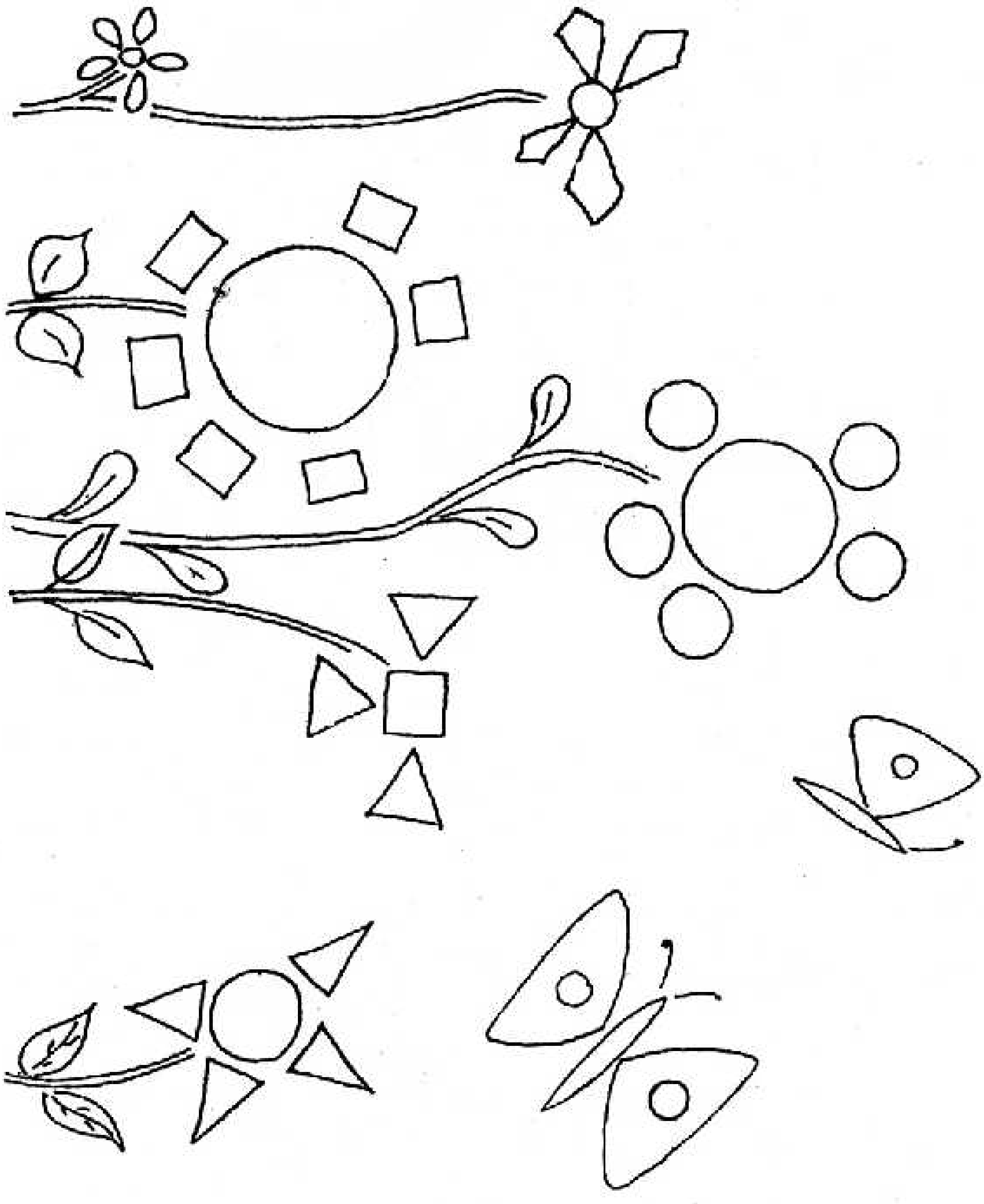
छूट - छूटे - छूटते
बन - बने - बनते

अटक - अटकी - अटकती
भग - भगी - भगती

तितली आई फूल पर

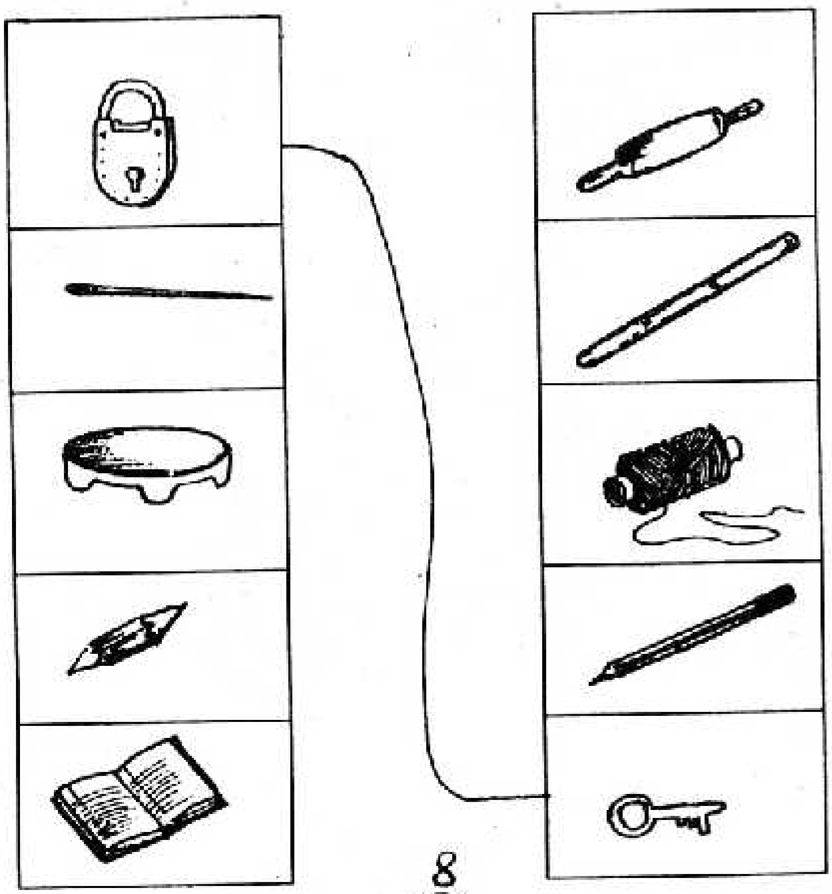
फड़ फड़ करते अपने पंख
तितली आई फूल पर ।
ऊपर नीचे नीचे ऊपर
तितली आई फूल पर ।
काटे पत्ते डाली के संग
हिला हिलाकर अपने पंख
ऊपर नीचे, नीचे ऊपर
तितली आई फूल पर ।

पंख पंखा	डाल डाली	नीचे नाचे
फड़ फाड़	हिल हिला	काटे कांटे
पर पार		फल फूल



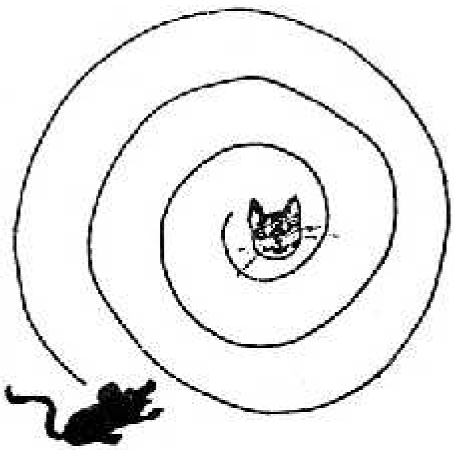
कौन कहाँ

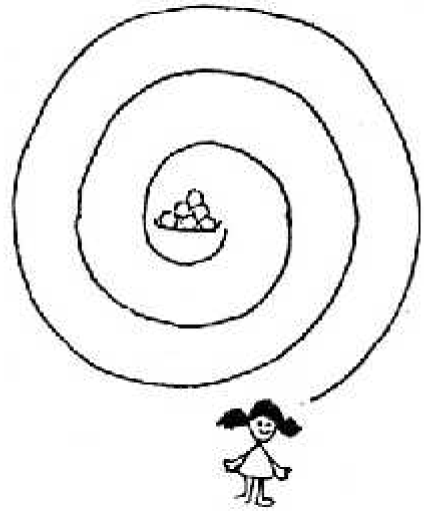
ताला - चाबी निकले साथ,
सुई धागे से करते बात।
पहुँचे सब एक मेले में,
खो गए सब एक रेले में।
ताला पूछे चाबी कहाँ,
धागा रोए सुई कहाँ।

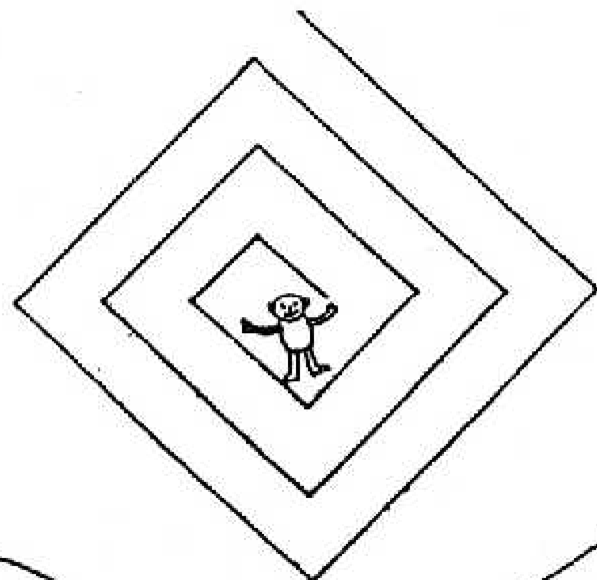


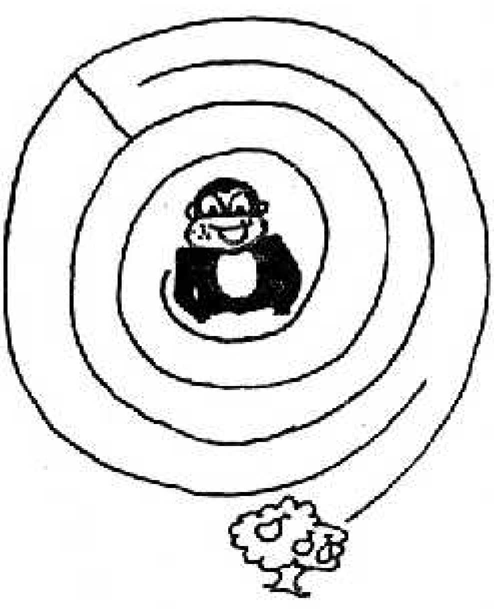
ताला	बेलन
सुई	डंडा
चकला	धागा
गिल्ली	पेंसिल
कापी	चाबी

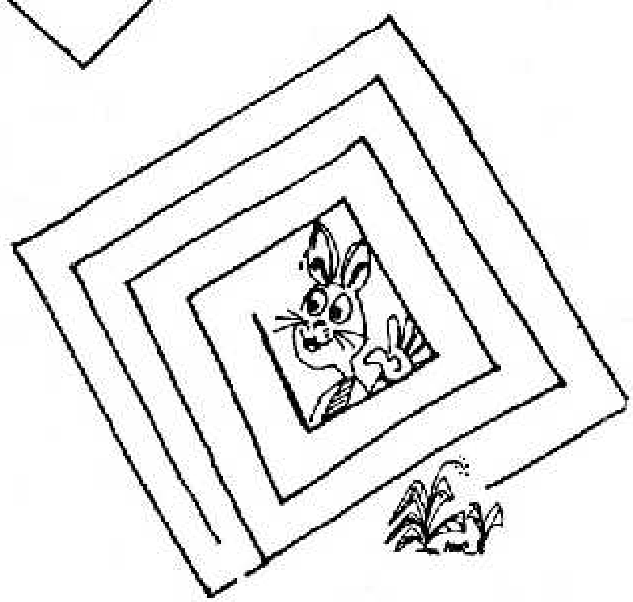
भूल भुलैया



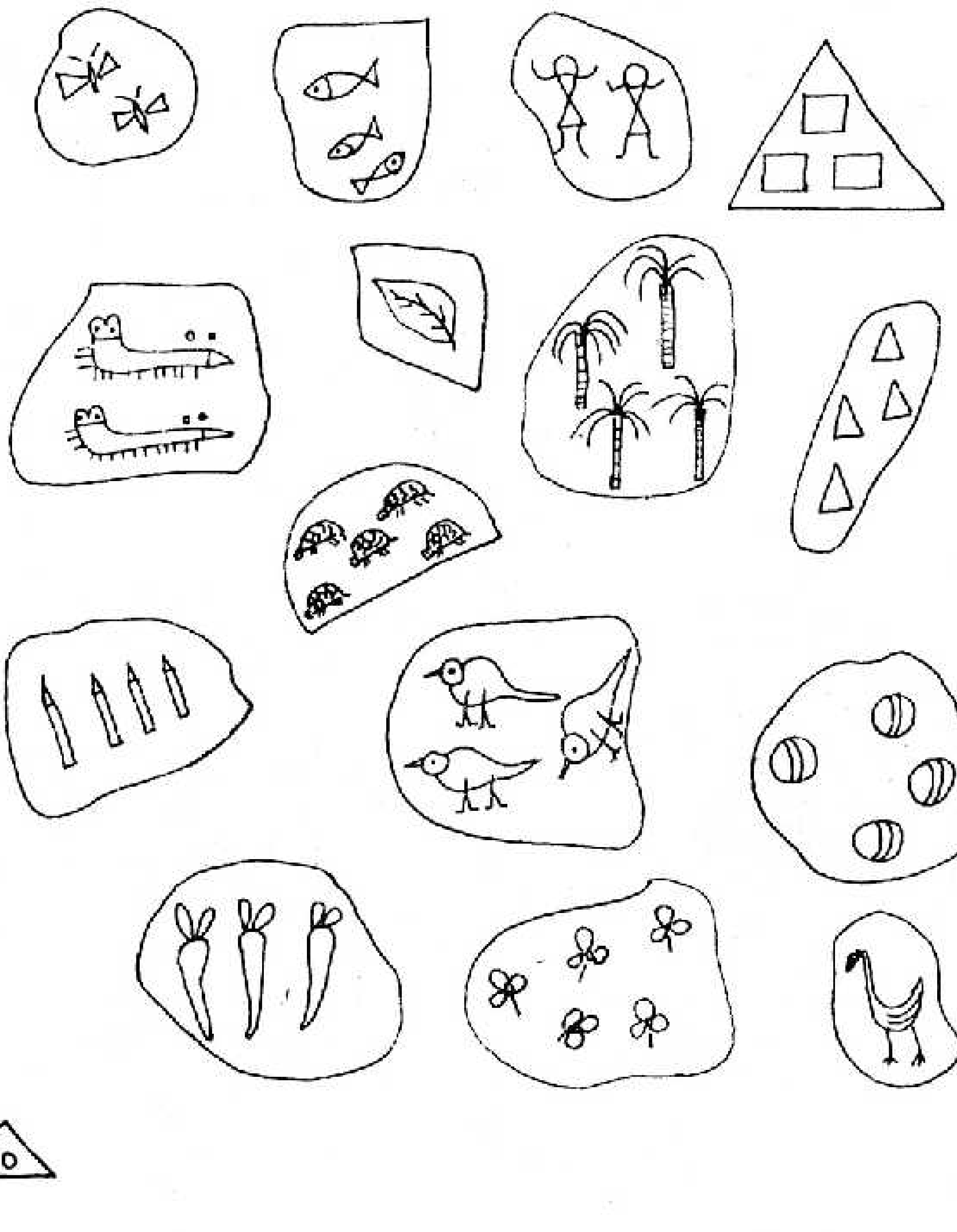




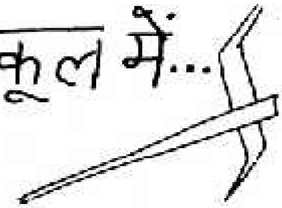


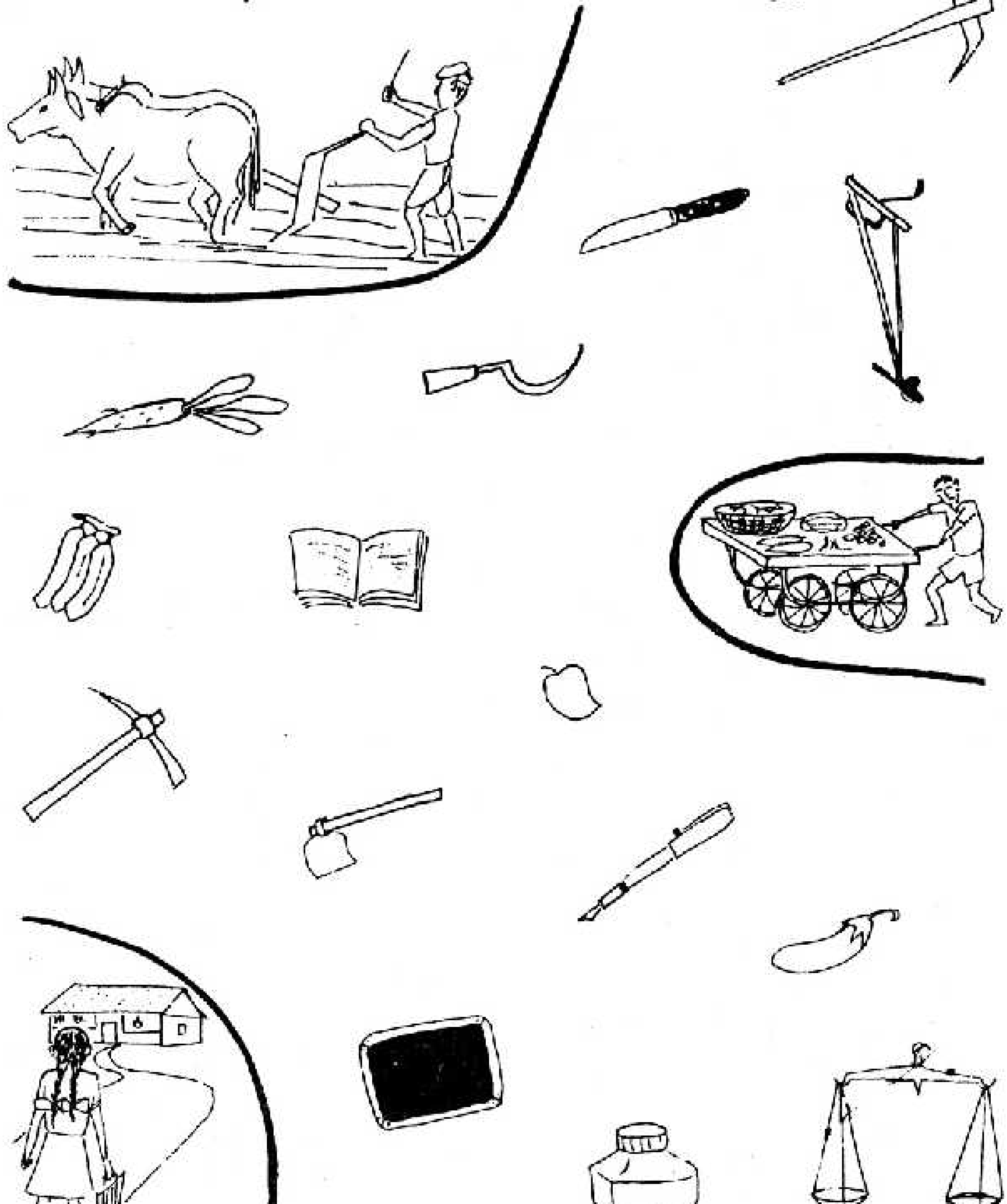


बराबर जोड़े मिलाओ

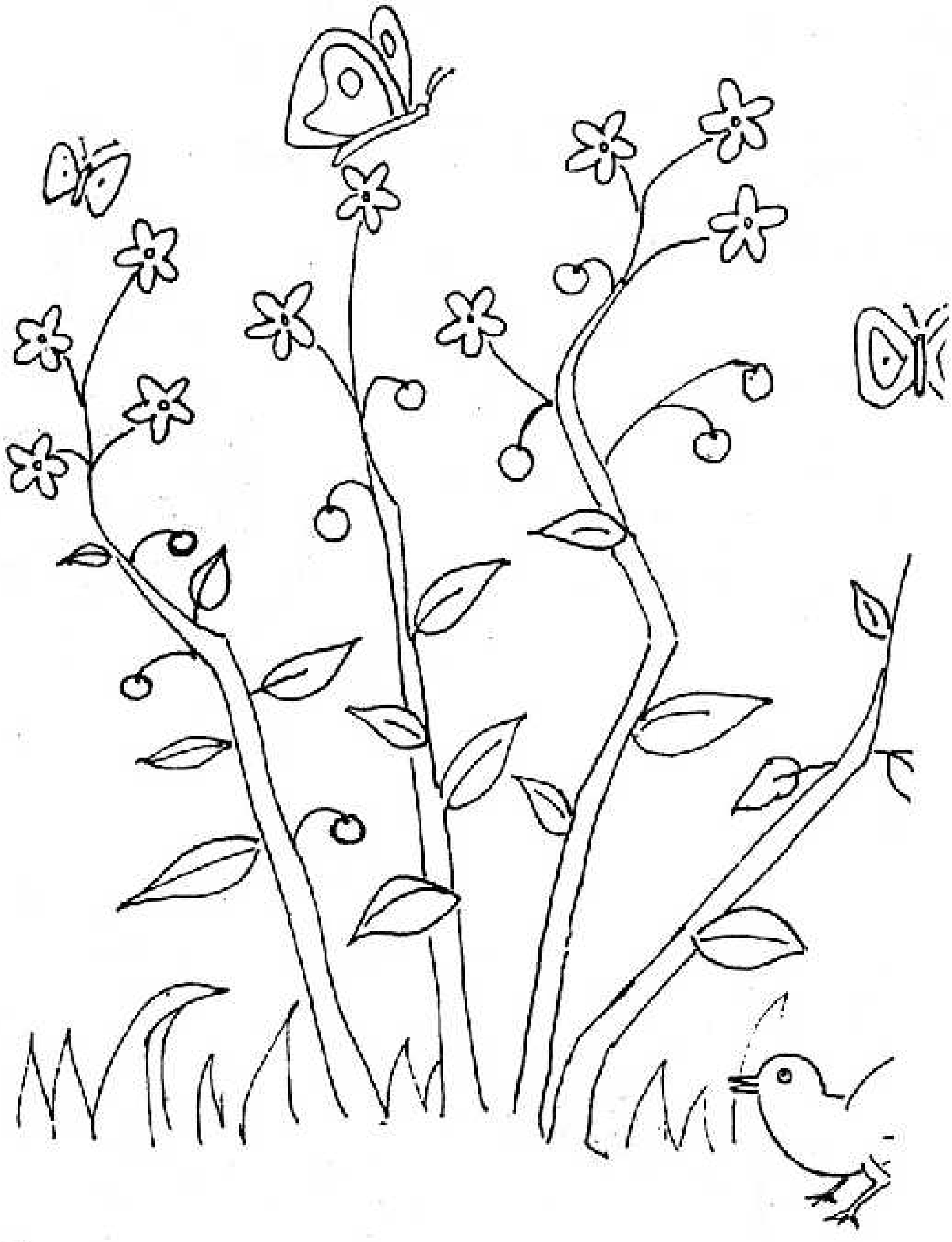


ठेले में, और खेत में और स्कूल में...

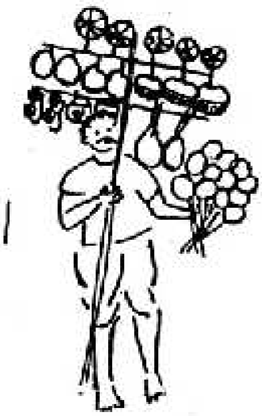




फूल और फल



बाज़ार



आडर बाडर लगा बाज़ार
लोग हैं आए खूब हजार।

हल्दी सब्जी मटका अचार
बैठ करे हैं सोच विचार।

भीड़ भड़क्का धक्कम धक्का
ठाका ठम्मम झम्मम झटका।



गुड़ की भेली हक्का बक्का
बगरी मिर्ची फूटा मटका
रोई सब्जी, रोया अचार
लोग भी रोए खूब हज़ार।



आगे बढ़ाओ

T ⊥ T ⊥ ____________________________

I I O I I O I I O ____________________________

↥ ↧ ↥ ↧ ____________________________

∩ ∪ ∩ ∪ ____________________________

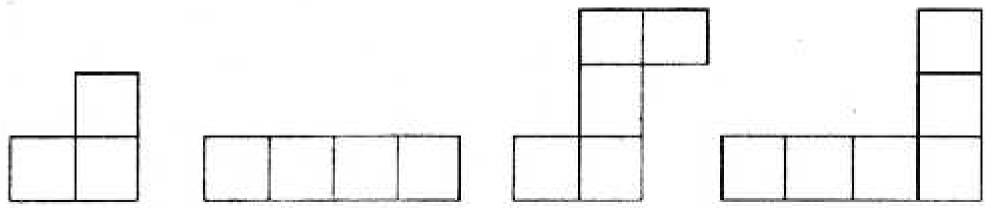
< > < > < > < ____________________________

S Ƨ S Ƨ S Ƨ S ____________________________


मगर भैया को
1 पर मिली लडकी
2 पर मिली मछली

एक और जोड़ो

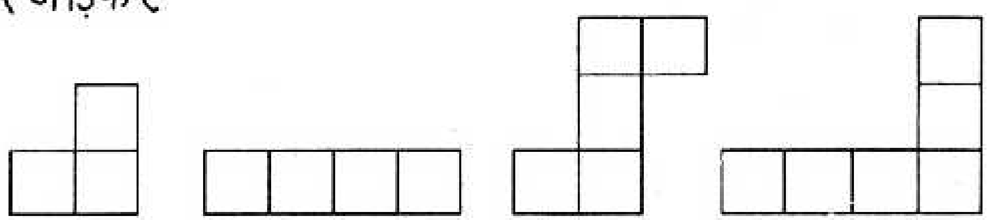
गिनो



लिखो ---- --------- ------ --------

एक और जोड़कर

गिनो

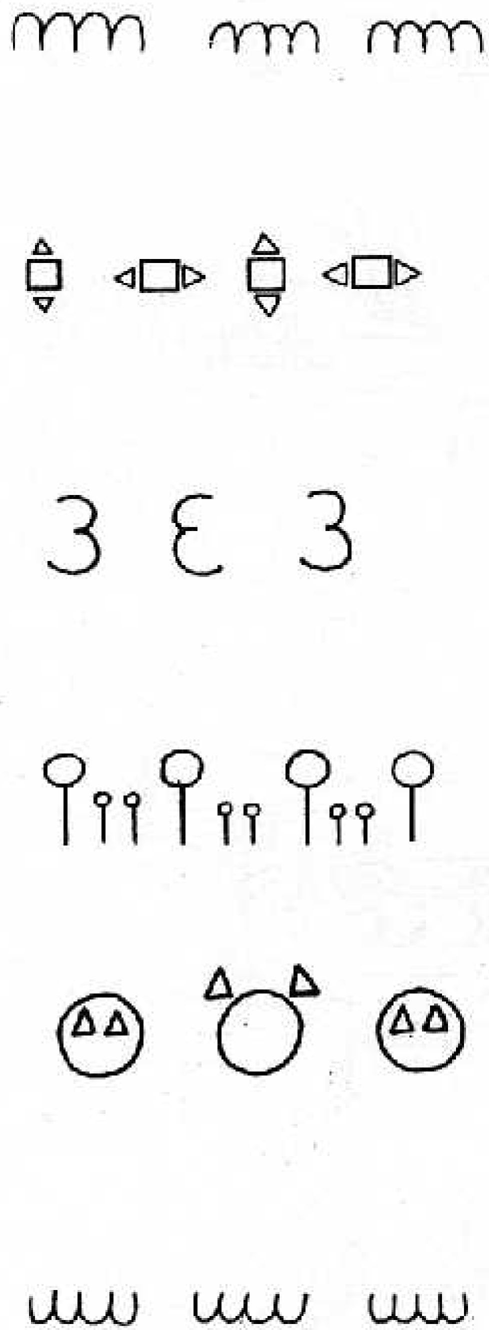


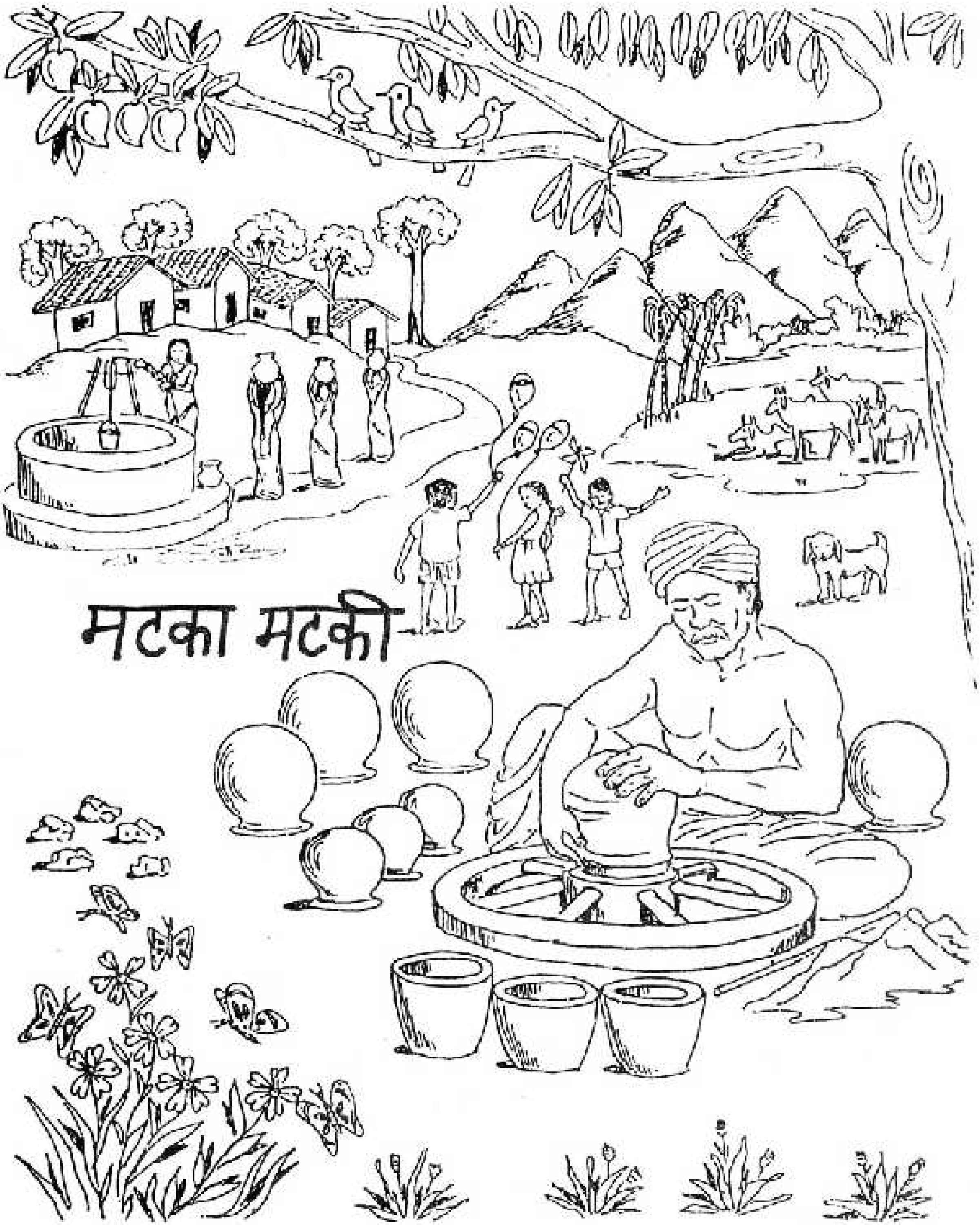
लिखो ---- --------- ------ --------

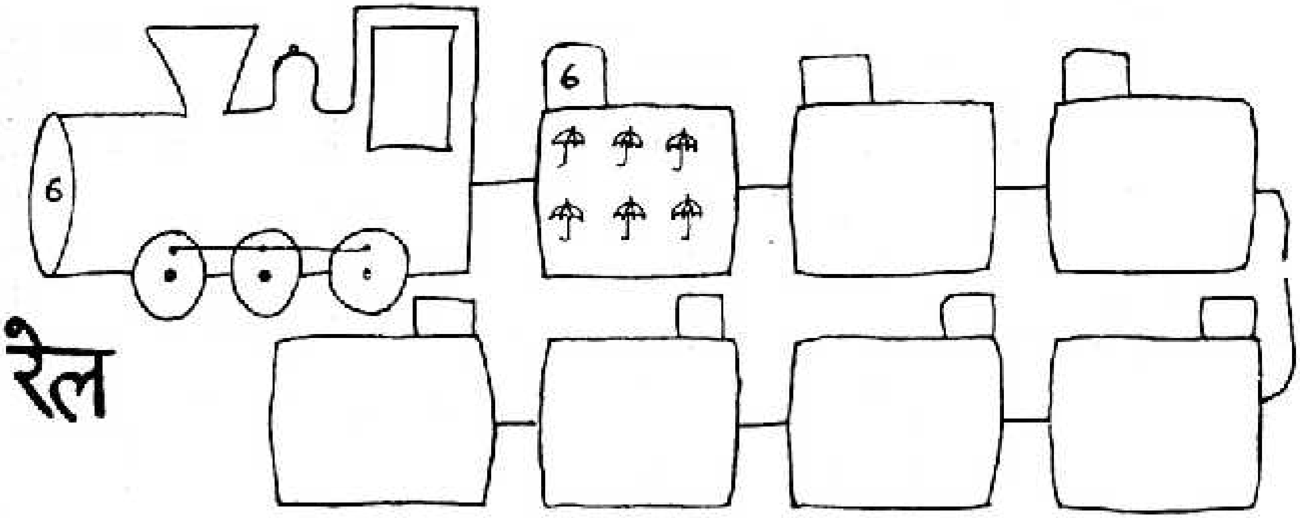
एक और जोड़ो

लिखो ---- --------- ------ --------

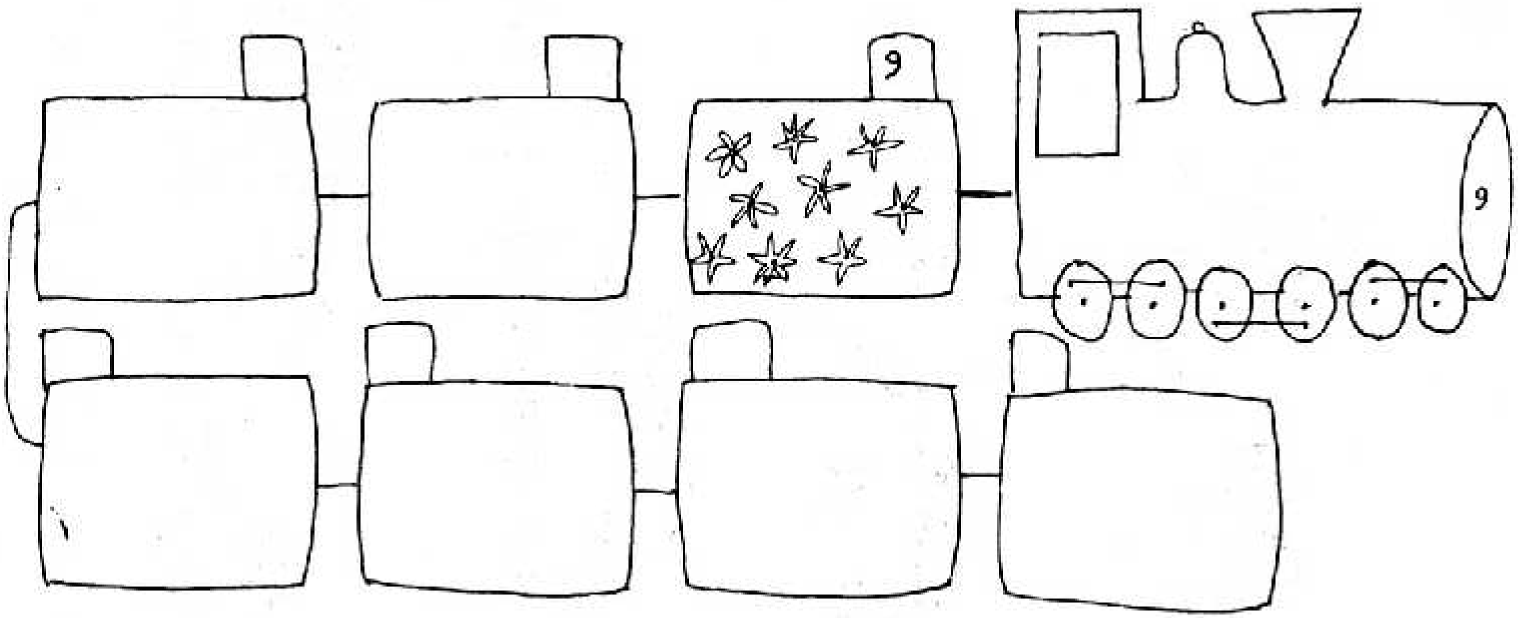
आगे बनाओ......




मटका मटकी



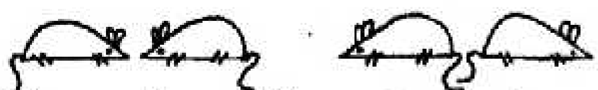
रेलम रेल



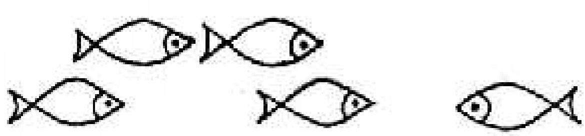
जोड़



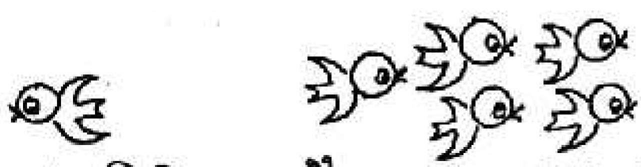
दो गेंद और तीन गेंद -------- गेंद



दो चूहे और दो चूहे -------- चूहे

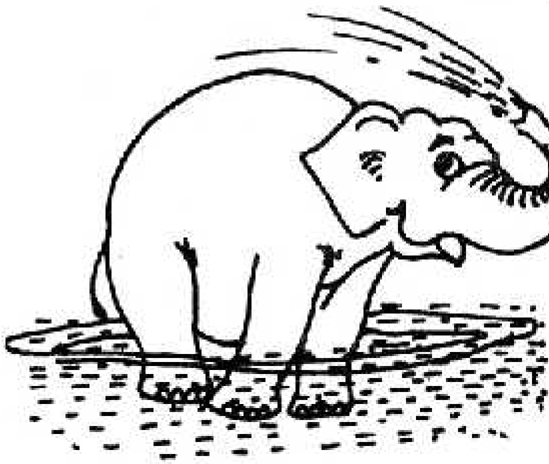


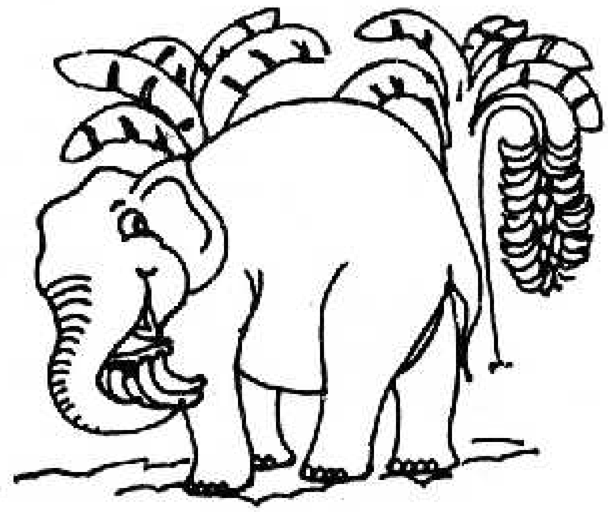
चार मछलियाँ और एक मछली -------- मछलियाँ



एक चिड़िया और पाँच चिड़ियाँ -------- चिड़ियाँ

हाथी





धम्मक-धम्मक आता हाथी,
धम्मक-धम्मक जाता हाथी,

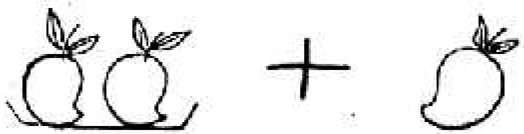
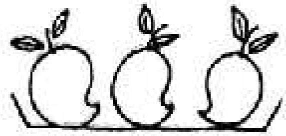
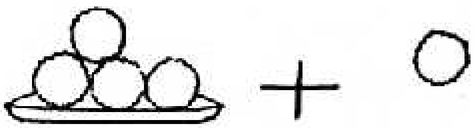
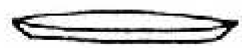
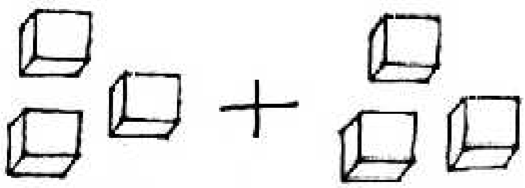
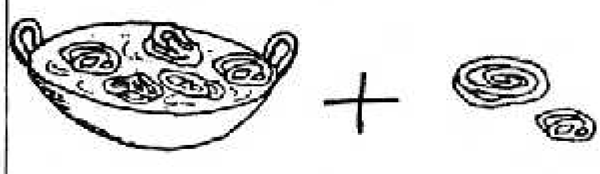
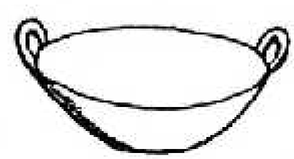
अपनी सूंड उठाता हाथी,
अपनी सूंड गिराता हाथी,
अपनी सूंड हिलाता हाथी

धम्मक-धम्मक आता हाथी
धम्मक-धम्मक जाता हाथी ॥

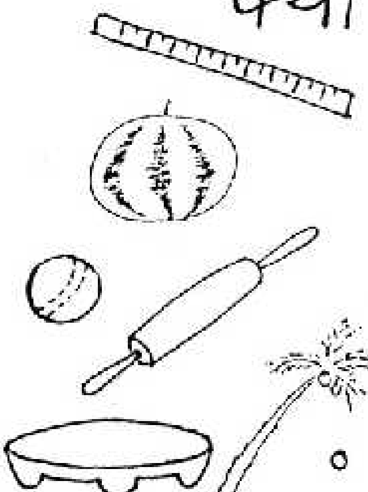
जब पानी में जाता हाथी,
भर भर सूंड नहाता हाथी,
कितने केले खाता हाथी,
यह तो नहीं बताता हाथी,

धम्मक - धम्मक आता हाथी
धम्मक - धम्मक जाता हाथी ॥

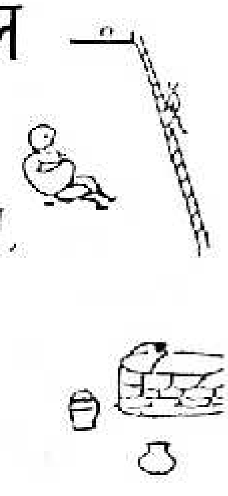
कितने सारे

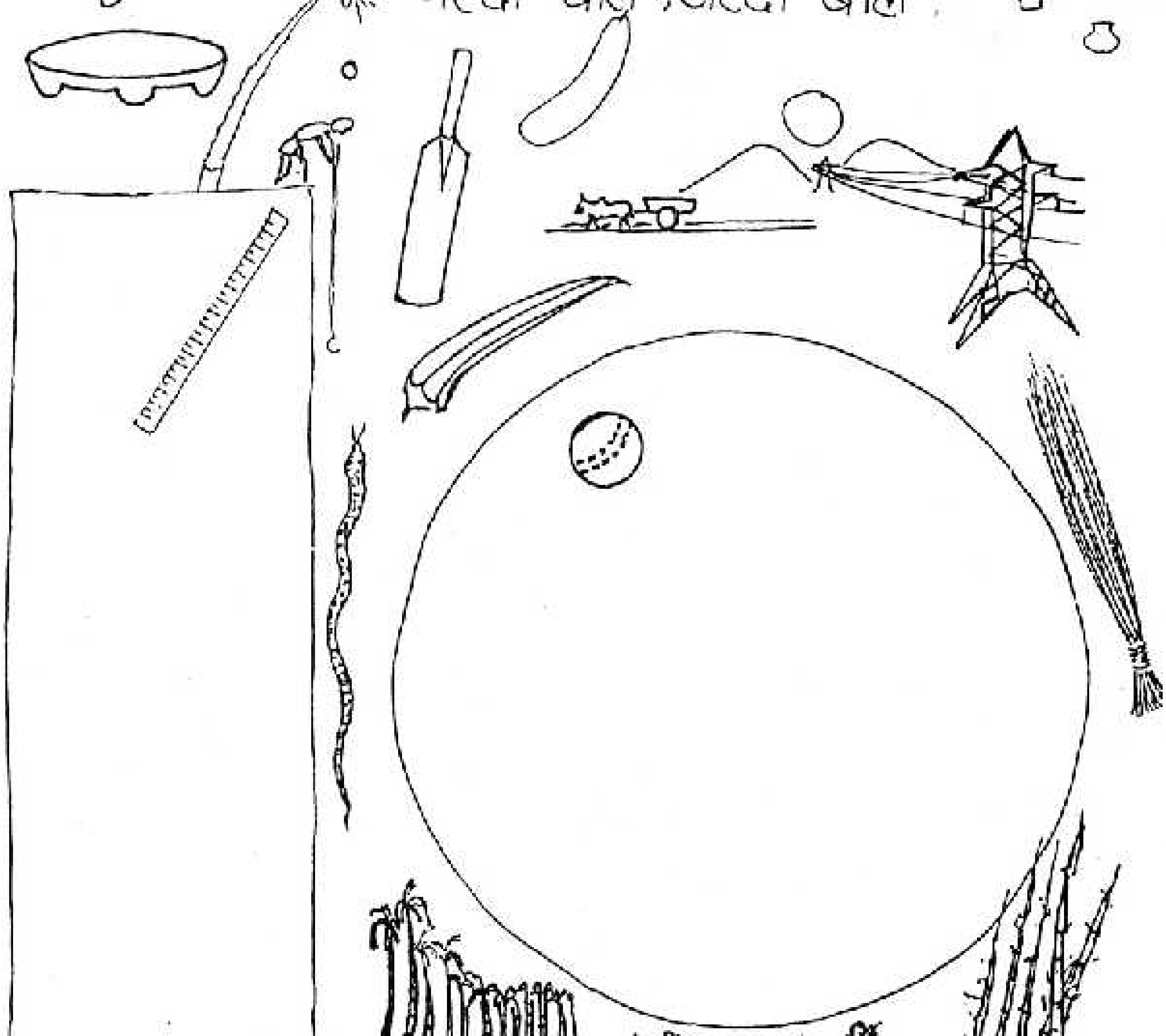
 दो आम और एक आम	 तीन आम	2 + 1 ——— 3
 चार लड्डू और एक लड्डू		4 + 1 ——— ———
 तीन डिब्बे और तीन डिब्बे		3 + 3 ——— ———
 पाँच जलेबियाँ और दो जलेबियाँ		5 + 2 ——— ———

क्या है लम्बा क्या है गोल



जल्दी बोल, जल्दी बोल,
बाँस है लम्बा, नारियल गोल,
केला लम्बा सेब है गोल,
जल्दी बोल, जल्दी बोल

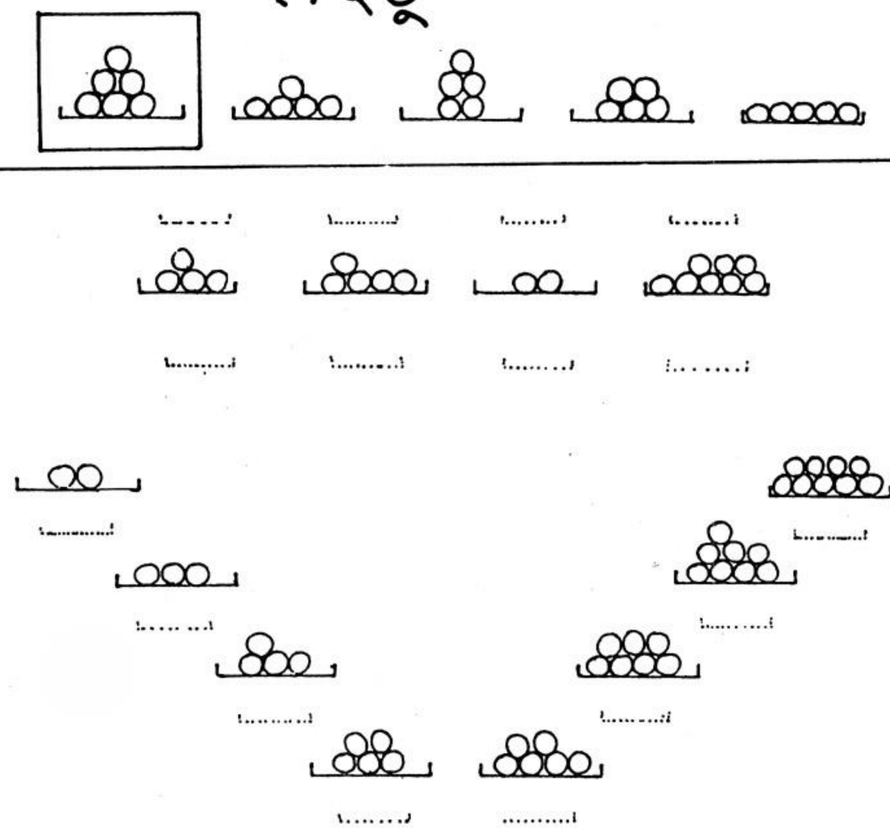


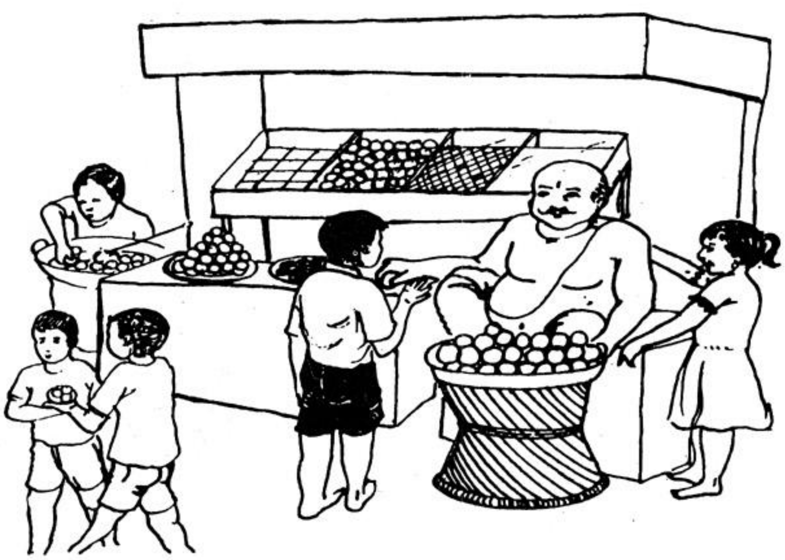




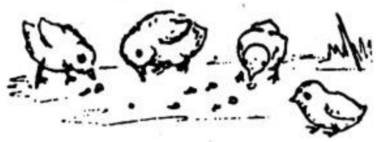
मेरा स्कूल

लड्डू





चिड़िया











1

2

3

4

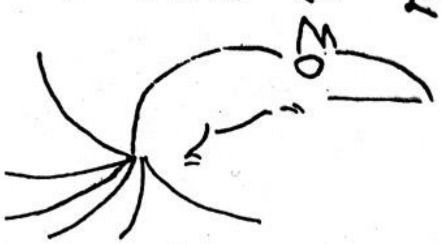
5

सात पूंछ का चूहा

एक था चूहा। उस चूहे की सात पूंछें थीं। सब उसे चिढ़ाते - **सात पूंछ का चूहा, सात पूंछ का चूहा।**



आखिर तंग आकर चूहा गया नाई के पास। उसने नाई से कहा - नाई दादा, मेरी एक पूंछ काट दो। **नाई ने उसकी एक पूंछ काट दी। अब चूहे के पास बचीं छह पूंछें।**



अगले दिन जैसे ही चूहा बाहर निकला सब उसे चिढ़ाने लगे - **छह पूंछ का चूहा, छह पूंछ का चूहा।** चूहा फिर से तंग आ गया। वह गया नाई के पास। उसने कहा - नाई दादा, नाई दादा - मेरी एक पूंछ और काट दो। **नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं बस पाँच पूंछें।**



पर अगले दिन सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे - **पाँच पूंछ का चूहा, पाँच पूंछ का चूहा।** चूहा गया नाई के पास। नाई दादा, मेरी एक पूंछ और काट दो। **नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं बस चार पूंछें।**



पर सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे -
चार पूंछ का चूहा, **चार** पूंछ का चूहा।



चूहा गया नाई के पास। नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं बस तीन पूंछें।



फिर भी सब उसे चिढ़ाते -
तीन पूंछ का चूहा, **तीन** पूंछ का चूहा। चूहा गया नाई के पास। नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब चूहे के पास बचीं दो ही पूंछें।

फिर भी सब उसे चिढ़ाते -



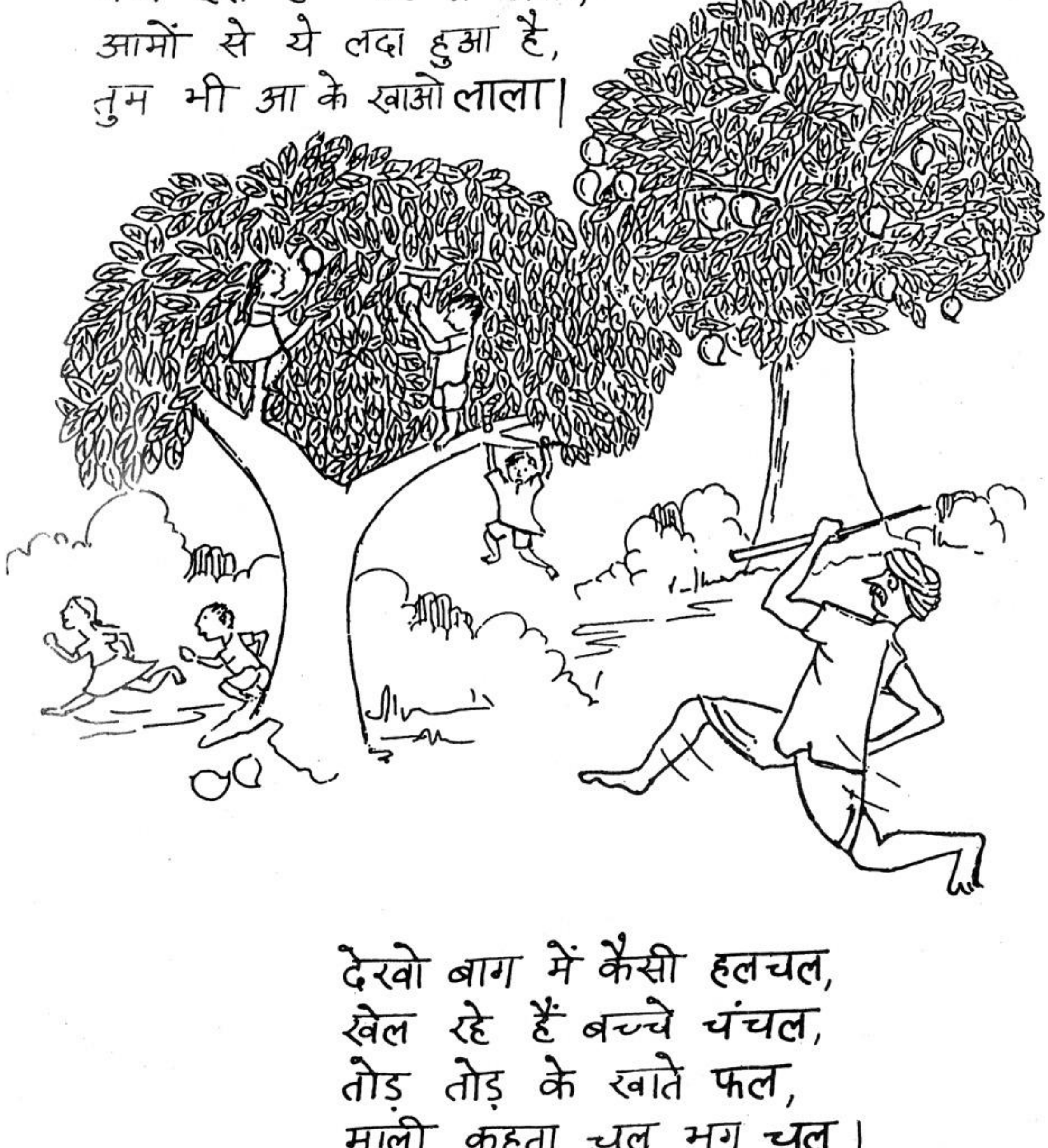
दो पूंछ का चूहा, **दो** पूंछ का चूहा। तो चूहा गया नाई के पास। नाई ने उसकी एक पूंछ और काट दी। अब वह एक पूंछ का चूहा हो गया।

फिर भी सब उसे चिढ़ाते।
एक पूंछ का चूहा, **एक** पूंछ का चूहा। तो चूहा गया नाई के पास। नाई ने आखिरी पूंछ भी काट दी। अब चूहे की पूंछ ही नहीं बची।

लेकिन फिर भी सब उसे चिढ़ाते - **बिना पूंछ का चूहा, बिना पूंछ का चूहा**।

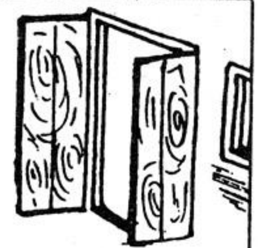
पेड़

देखो है ये पेड निराला,
पत्ती और फल फूलों वाला,
मैंने इसे है प्यार से पाला,
आमों से ये लदा हुआ है,
तुम भी आ के खाओ लाला।



देखो बाग में कैसी हलचल,
खेल रहे हैं बच्चे चंचल,
तोड़ तोड़ के खाते फल,
माली कहता चल भग चल।

कौन किससे बना


दरवाजा


कैंची


किताब

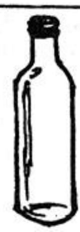

बल्ब

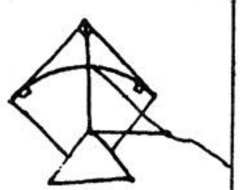

कड़ाही


गिलास


बेलन


ताला


बोतल

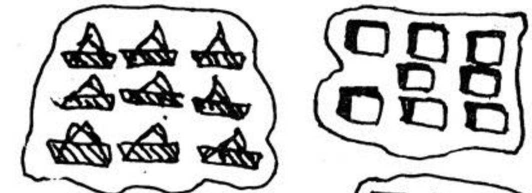

पतंग

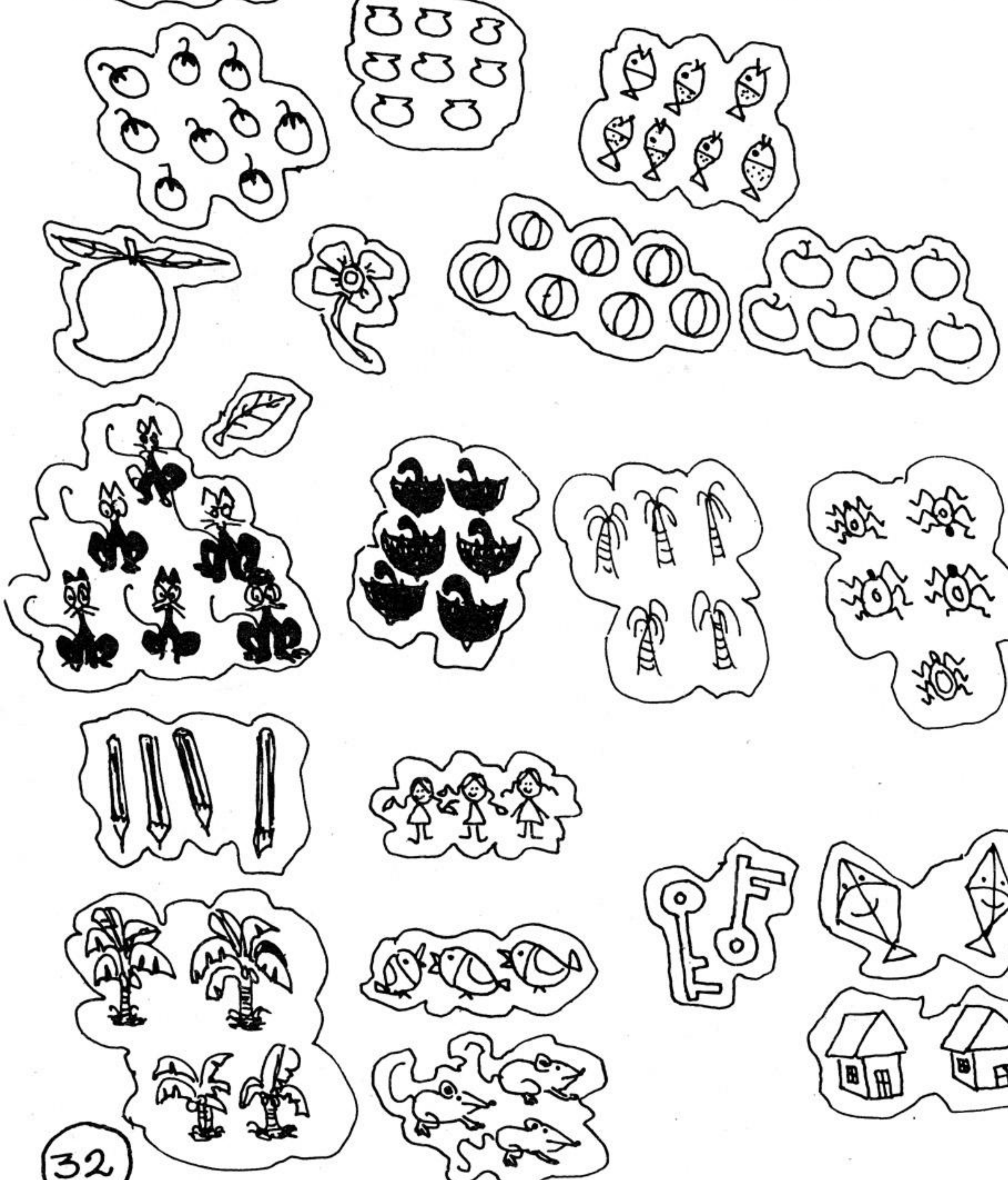

फिरकनी


चकला

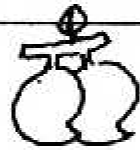
लकड़ी	लोहा	काँच	कागज़

बराबर की टोलियाँ बनाओ

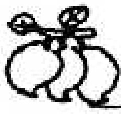




कुल कितने?

दो आम  2

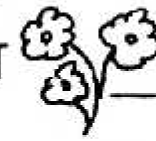
और +

तीन आम  3

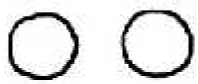
---

3 फूल  3

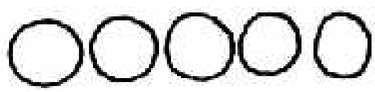
और +

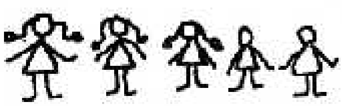
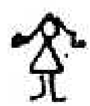
3 फूल  3

---

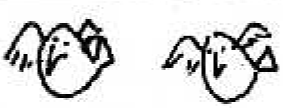
2 गोले 

और +

---- गोले  5

पांच लड़कियां और ----- लड़की + 1

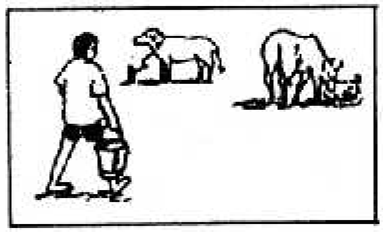
दो चिड़िया और ------- चिड़िया

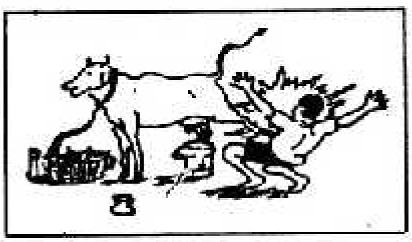
2

\+ 6

गैया

गैया मेरी बड़ी सयानी
मांग रही खाने को सानी।
सुंदर बछिया उसकी रोती
खूंटे पर ही बंध कर सोती।



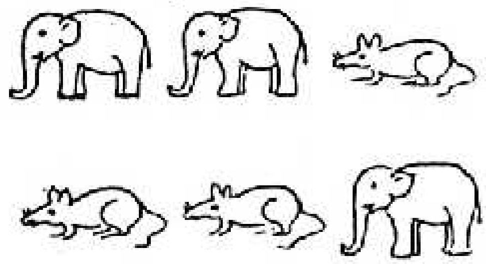


गैया दुहने जब मैं बैठा
गैया ने बछिये को देखा।
तब गैया ने मारी लात
मैंने खाई चार कुलाट।

मैंने चार कुलाट खाई	मैंने खाई चार कुलाट
जब मैं गैया दुहने बैठा	गैया दुहने जब मैं बैठा
खाने को सानी मांग-रही	मांग रही खाने को सानी
उसकी सुंदर बछिया रोती	सुंदर बछिया उसकी रोती

जोड़म - जोड़

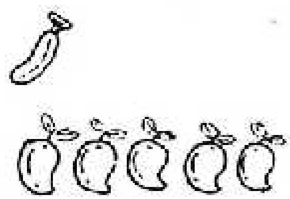
3 जानवर
और
3 जानवर



3
+ 3

---

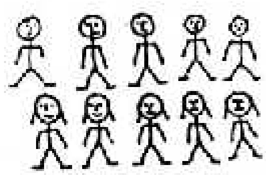
1 फल
और
5 फल



+ 5

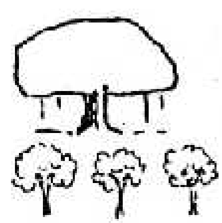
---

5 लड़के
और
5 लड़कियाँ

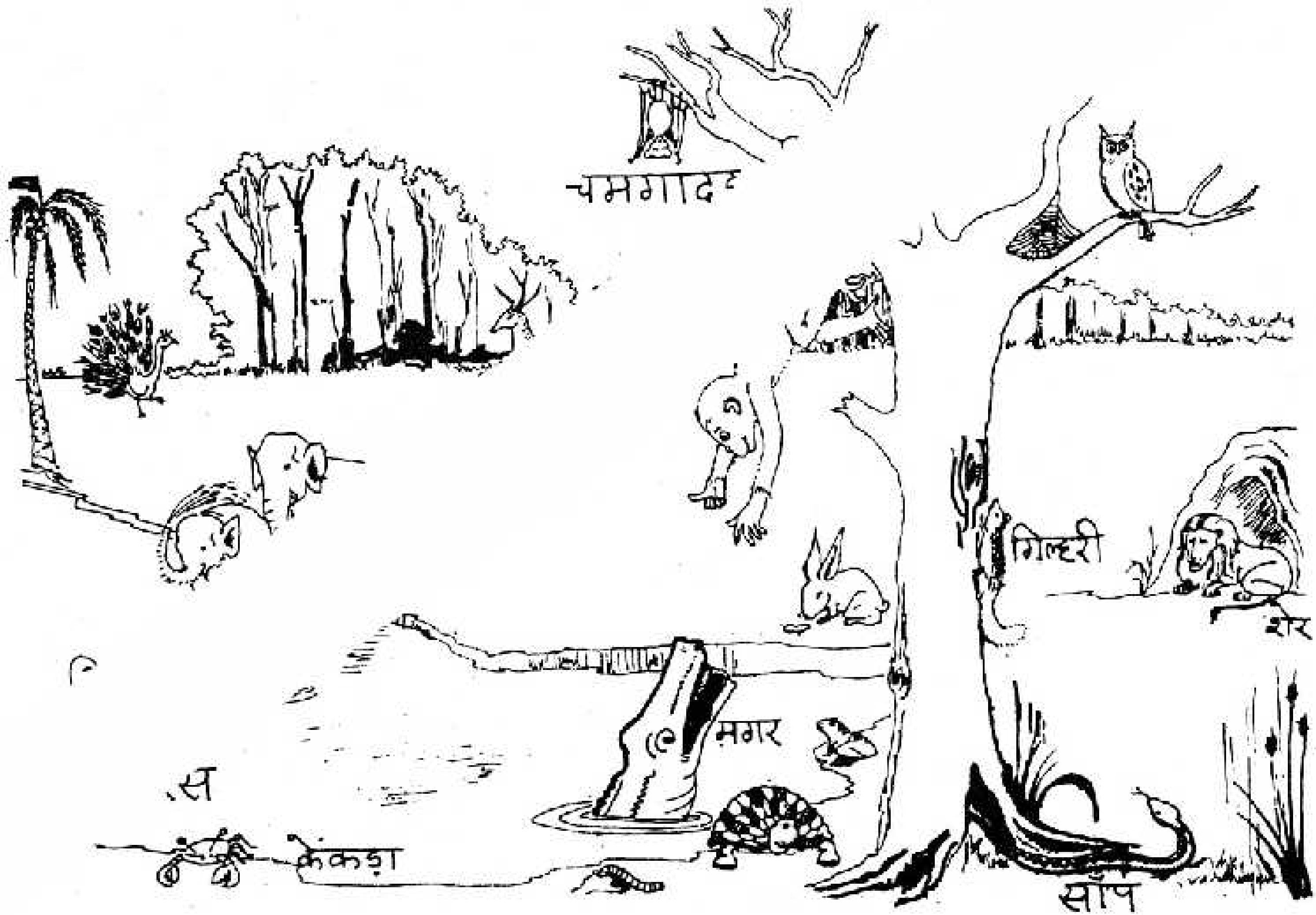


+

पेड़
और
3 पेड़



+


चमगादड़
गिल्हरी
शेर
मगर
केकड़ा
साँप

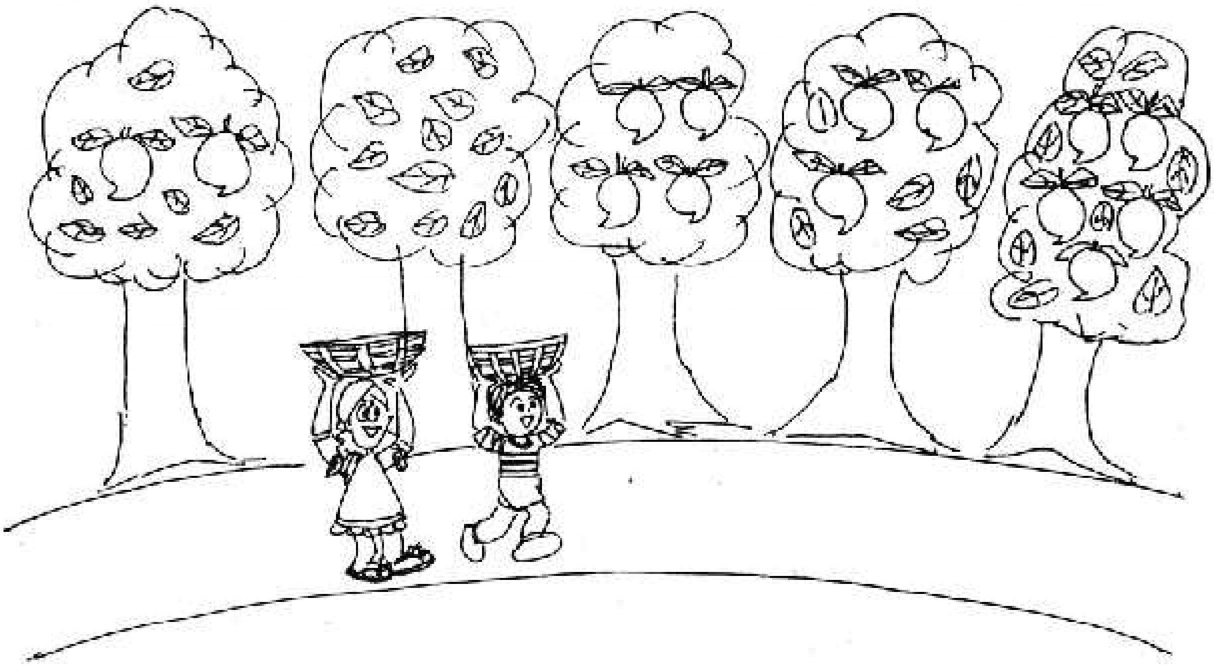
जंगल

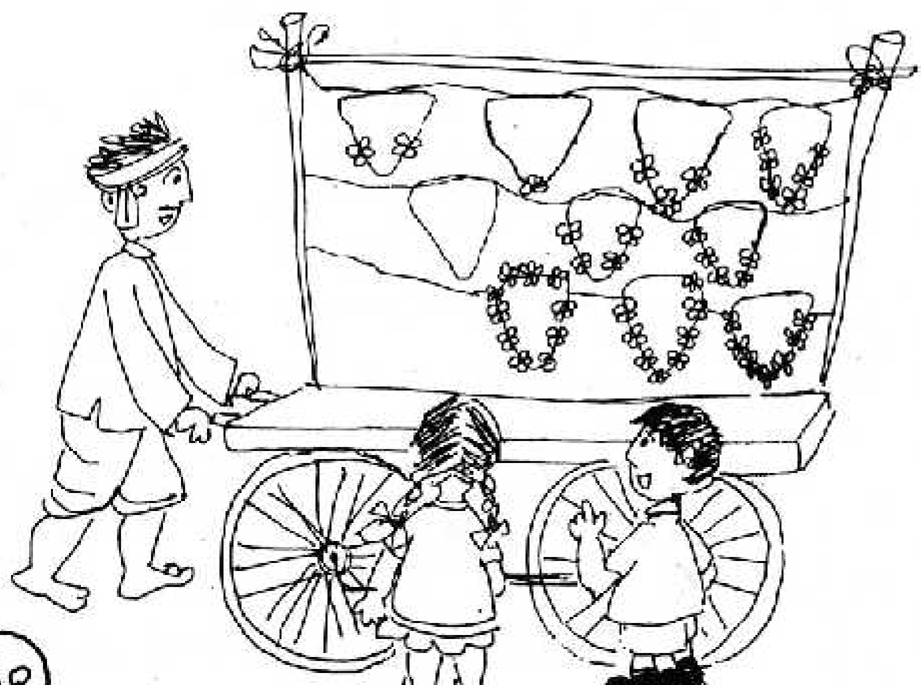
जमीन पर रहने वाले जानवर

पानी में रहने वाले जीव

उड़ने वाले जीव

किसमें ज्यादा किसमें कम?





ढूंढो-ढूंढो

चू	सा	ति
हा	थी	त
म	छ	ली

तितली मछली चूहा आया गया
आई गई चिड़िया सो हाथी

सो	आ	या
ग	ई	ग
चि	ड़ि	या

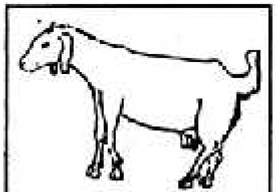
के	पे	ड़
घ	र	फू
ड़ी	फ	ल

के फल फूल पेड़ नीचे जाता घड़ी
पर ला

नी	चे	जा
ला	खा	ता
ऊ	प	र

कप

घर



बकरी

टायर

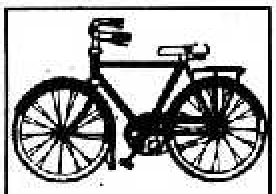
बस

मछली

बेलन

आम

नल



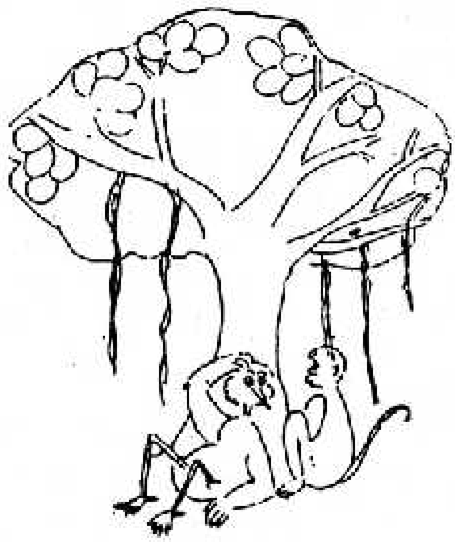
साइकिल

तितली

तराजू

त न क र म ली ब बे त स का

बारिश कैसे मिली ?



एक था **बगुला**। और एक था **बंदर**। दोनों एक **बरगद** के नीचे रहते थे।

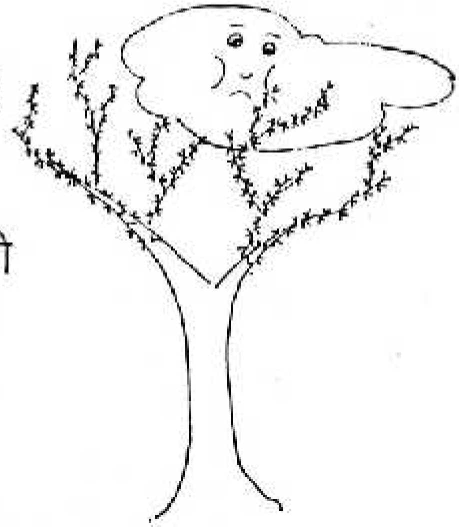
वहीं पास में एक नदी भी थी लेकिन नदी में पानी नहीं था। पानी तो **बारिश** आने पर ही आ सकता था। तो बगुला और बंदर दोनों बारिश ढूढने के लिए निकल पड़े।

रास्ते में मिली एक **बिल्ली**। बंदर ने पूछा - बिल्ली, बिल्ली, हमें बारिश कहाँ मिलेगी ? बिल्ली ने कहा - बारिश तो मिलेगी **बादल** के पास।

दोनों आगे बढ़े। रास्ते में मिली एक **बकरी**। बगुले ने पूछा - बकरी, बकरी, हमें बादल कहाँ मिलेगा ? बकरी ने कहा - बादल तो बूढ़े बबूल मे फंसा है।

दोनों आगे बढ़े। रास्ते में मिला एक बड़ा सा **बैल**। बंदर और बगुले ने पूछा - बैल, बैल, हमें बूढ़ा **बबूल** कहाँ मिलेगा ?

तो बड़े से बैल ने कहा - बूढ़ा बबूल तो **बलहर** की **बाड़ी** के पास पास है।



दोनों पहुंचे बलहर की बाड़ी में। वहीं पास में दिखा बूढ़ा बबूल। उसके कांटों में बेचारा बादल फंसा हुआ था।

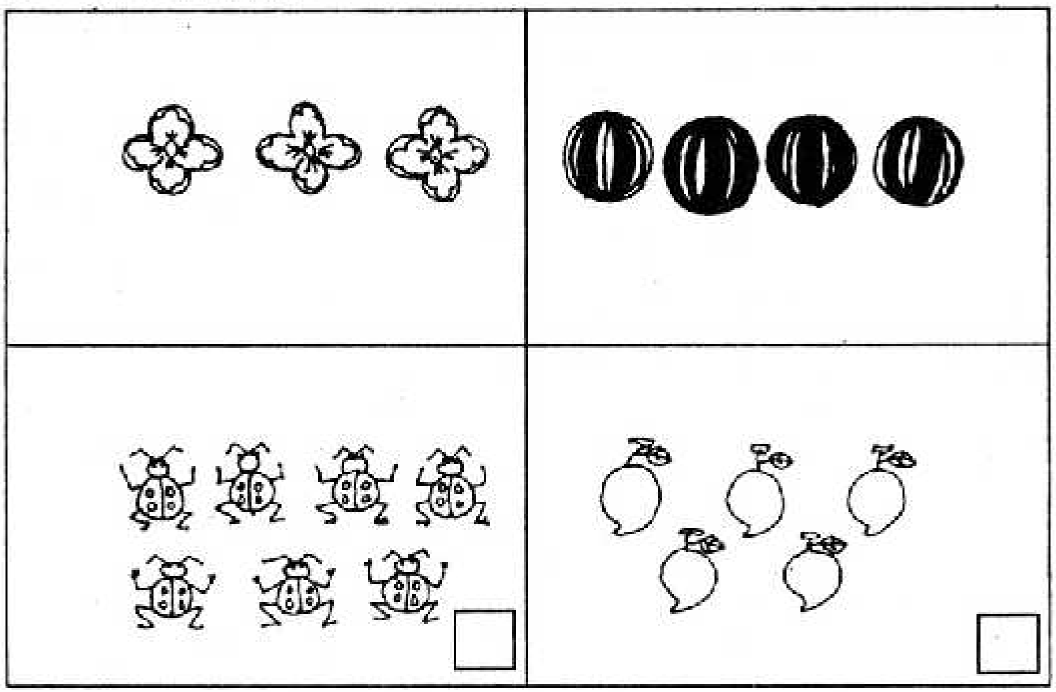
बंदर झट से पेड़ पर चढ़ गया। बगुला भी उड़ कर ऊपर पहुंच गया। दोनों ने मिलकर बादल को बबूल से निकाला। बादल बहुत खुश हुआ।

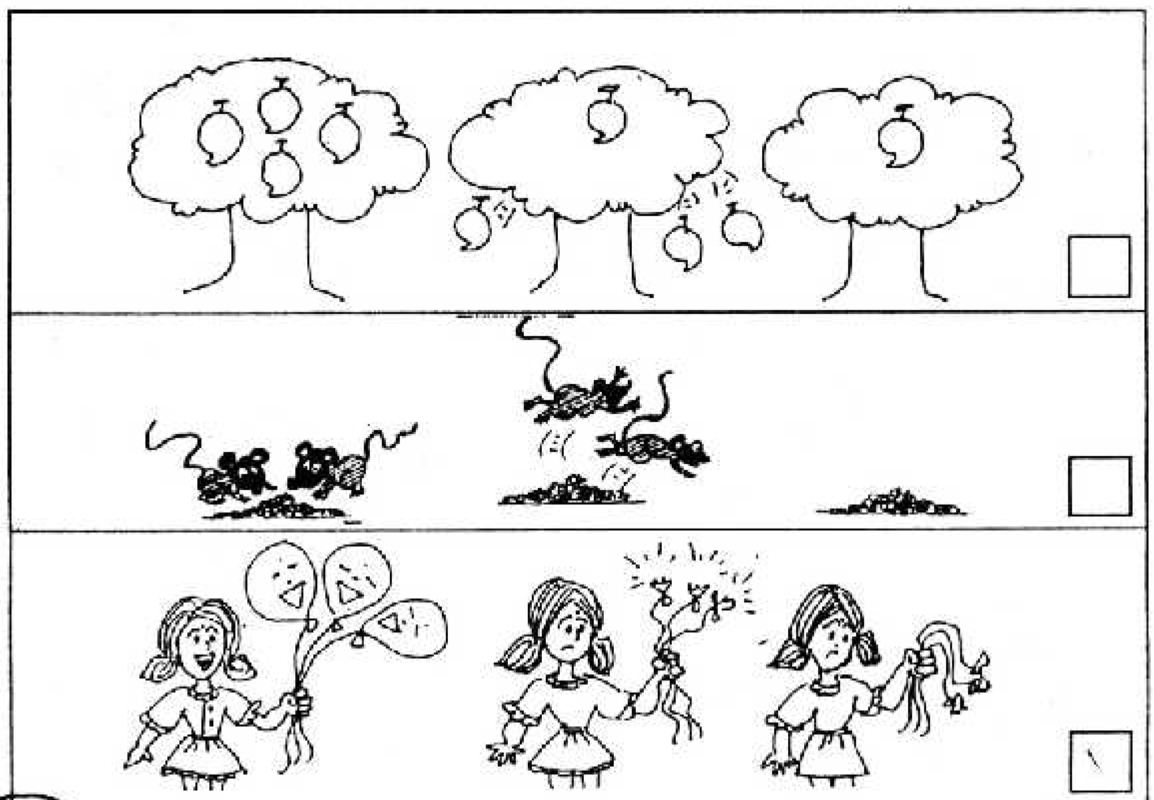


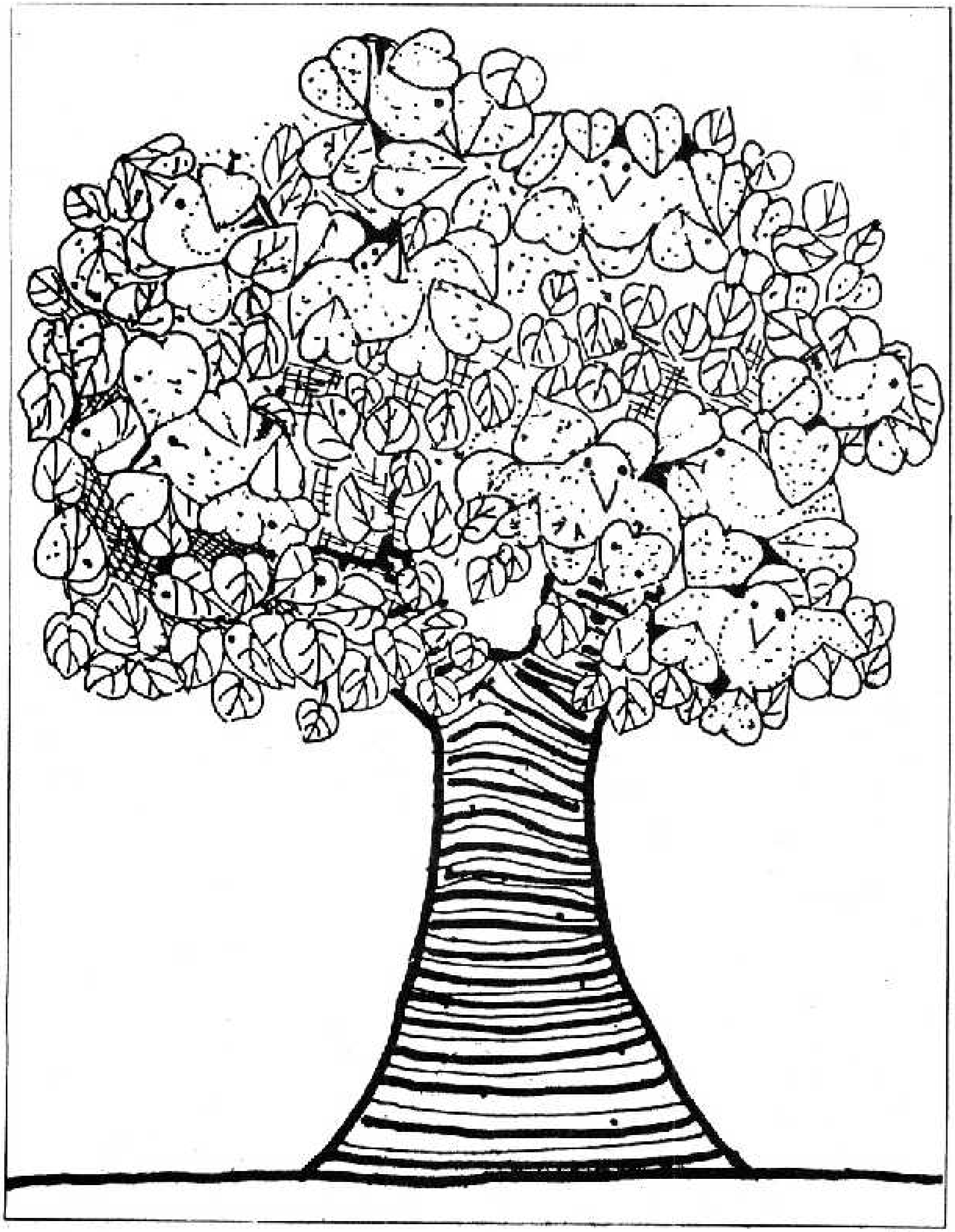
बादल के खुश होने पर बारिश हुई। नदी में धीरे-धीरे पानी आया। बंदर और बगुला हंसने लगें और खूब नाचे।

बंदर	बबूल	बादल	बकरी	बैल
बलहर	बगुला	बारिश	बिल्ली	
बरगद			बाड़ी	

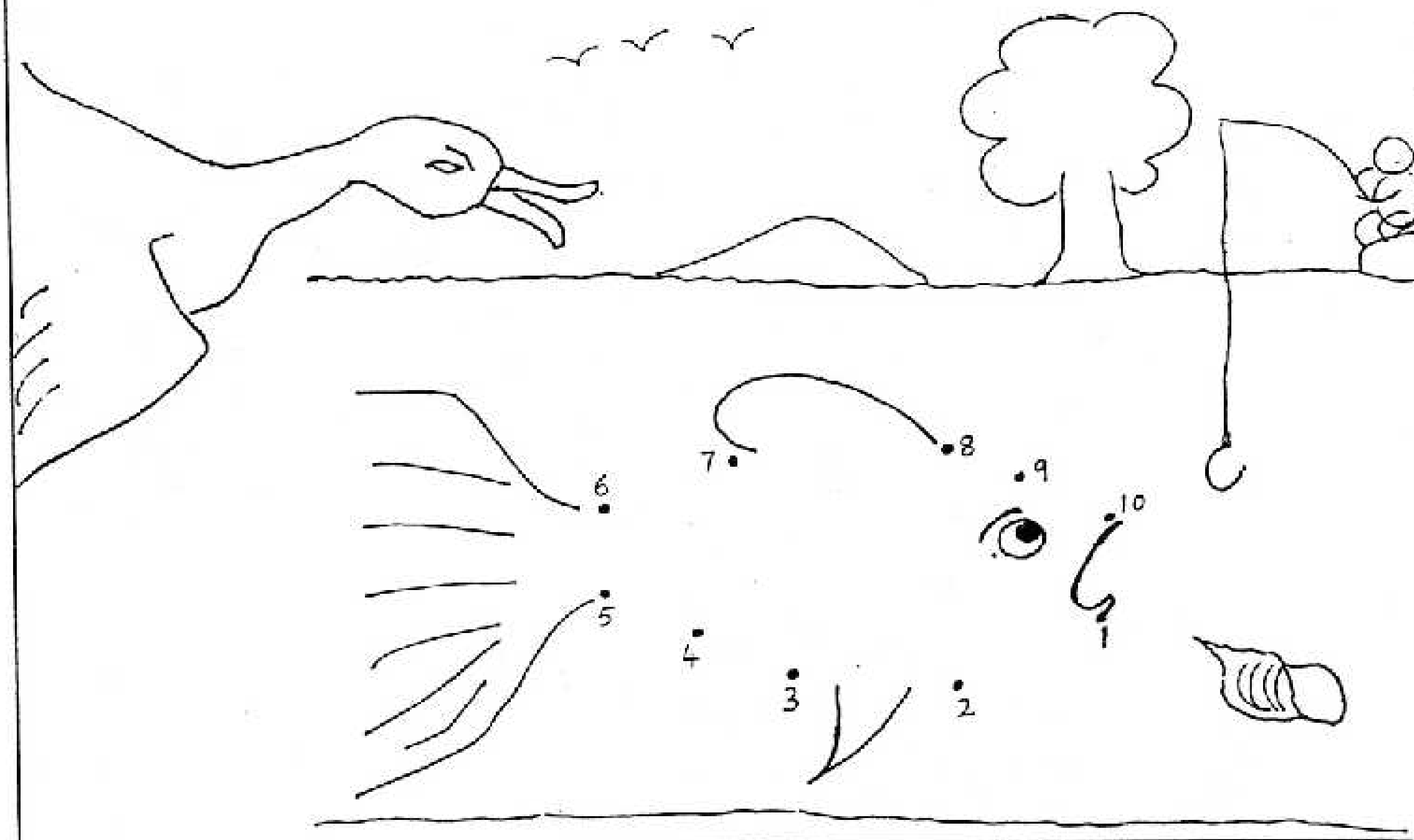
रखो - निकालो







चतुर चुनमुनी



एक थी मछली। बहुत चंचल, बहुत चालाक। उसका नाम था चुनमुनी।

चुनमुनी दूसरी मछलियों से बहुत बड़ी थी। लेकिन छोटी मछलियों से उसकी खूब दोस्ती थी।

एक दिन सुबह चुनमुनी घूमने जा रही थी। तभी एक बड़ी सी बत्तख उसके पीछे पड़ गई। बतख ने अपनी चोंच खोलकर चुनमुनी को पकड़ने की कोशिश की

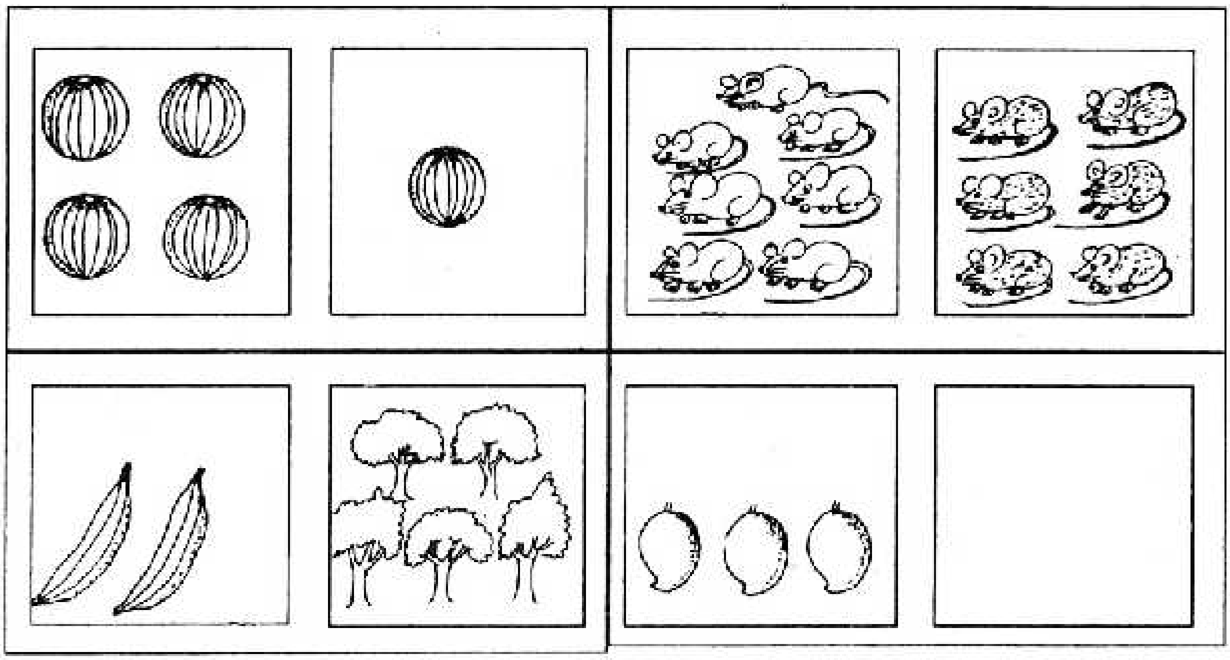
चुनमुनी भागी। भागते - भागते वह एक शंख के पास पहुँची। वहाँ एक गल टंगा हुआ था। एक लड़के ने छोटी मछलियों को पकड़ने के लिए गल टांगा था।

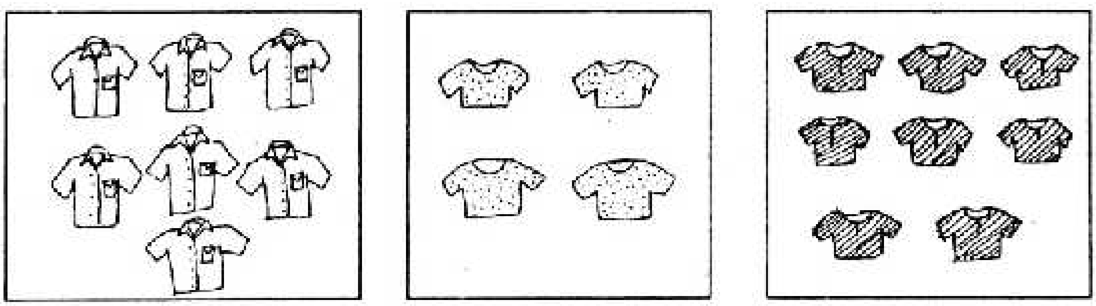
इधर चुनमुनी को बत्तख से बचना था। और उधर छोटी मछलियों को भी बचाना था। चुनमुनी ने झट से शंख को गल में फंसा दिया।

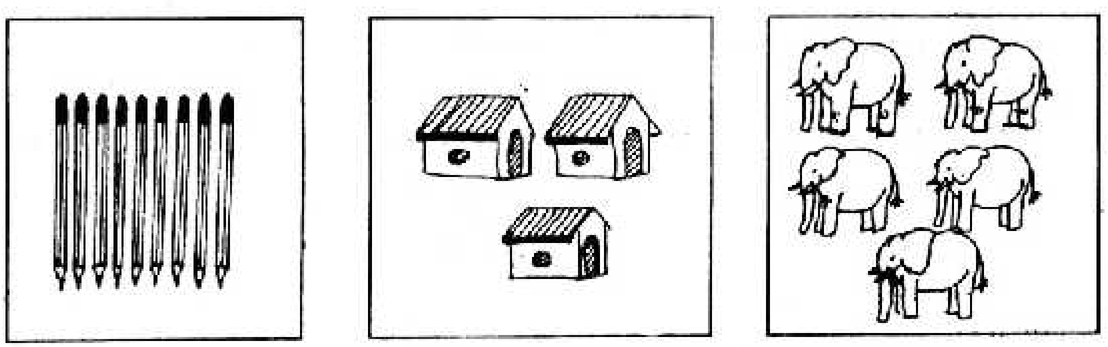
लड़के ने सोचा कि मछली पकड़ में आ गई है। उसने जैसे ही गल को खींचा, वह शंख के भार से टूट गया।

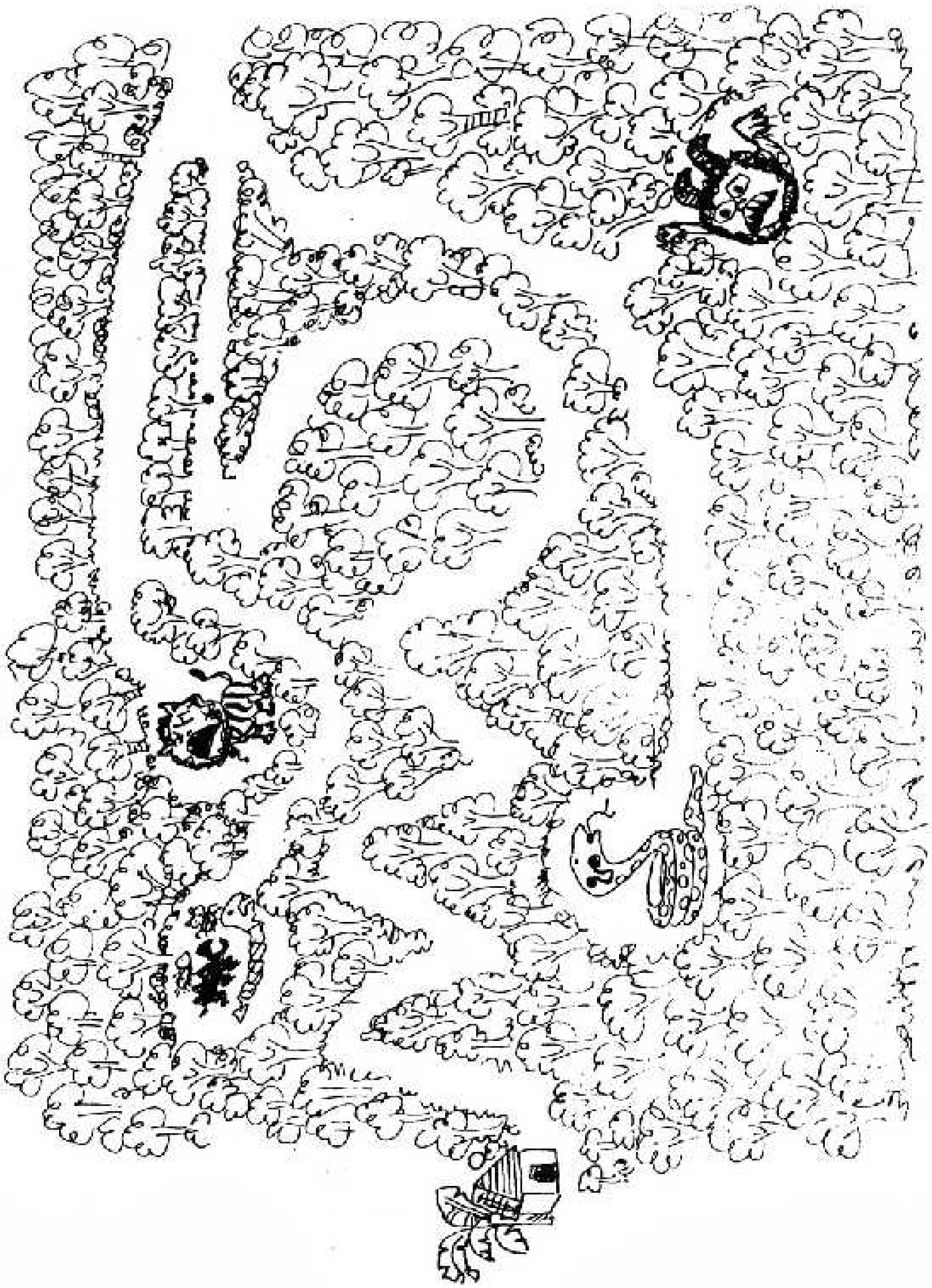
पर चुनमुनी पर अभी भी आफत थी। क्योंकि बत्तख उसके पीछे पड़ी हुई थी। अब सोचो, चुनमुनी बत्तख से कैसे बची होगी?

बोलो भई कितने...?



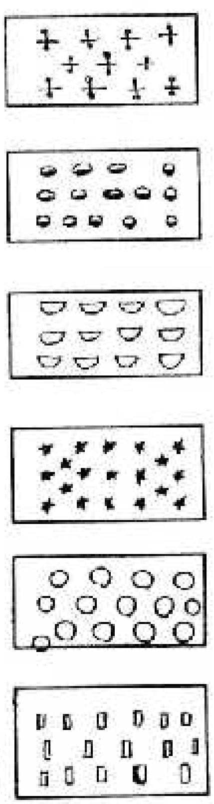




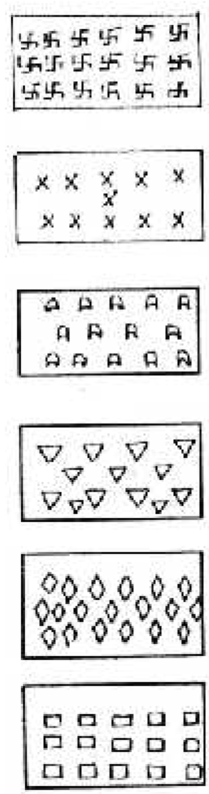


कितने कितने

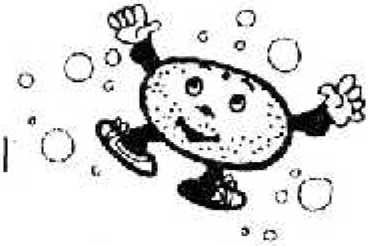




11
12
13
14
15
16
17
18
19

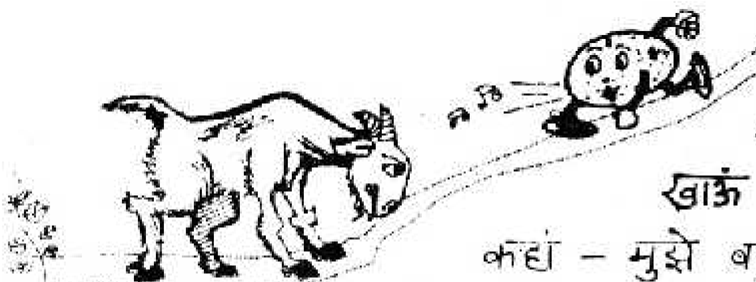


अगर तुम मुझे खाओगे----



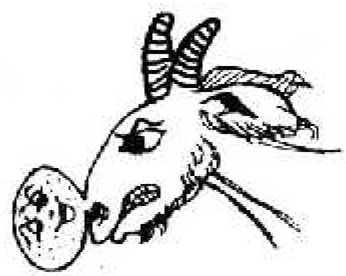
एक **छोटा-मोटा, गोल-मटोल आलू** था।

वह लुढ़कता-फुदकता-गुदकता
अपने घर जा रहा था।

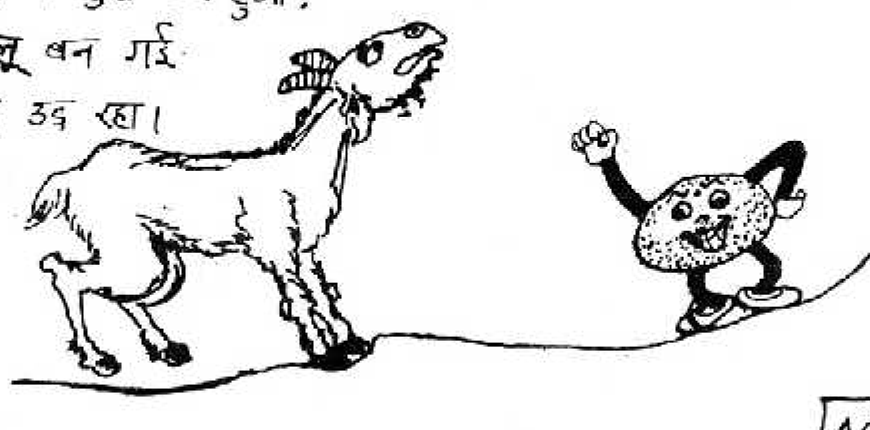


रास्ते में मिल गया
उसे **'खाऊं'** बकरा।
खाऊं ने **आलू** को रोका और
कहा – मुझे बहुत भूख लगी है, मैं
तुम्हें खाने वाला हूँ। **खाऊं** ने **छोटे-मोटे,**
गोल-मटोल आलू को पकड़ लिया।

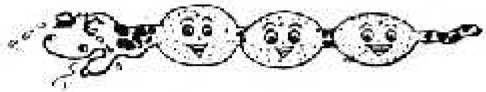
आलू चिल्लाया – रुको।
अगर तुम मुझे खाओगे,
तो खुद **आलू** बन जाओगे।



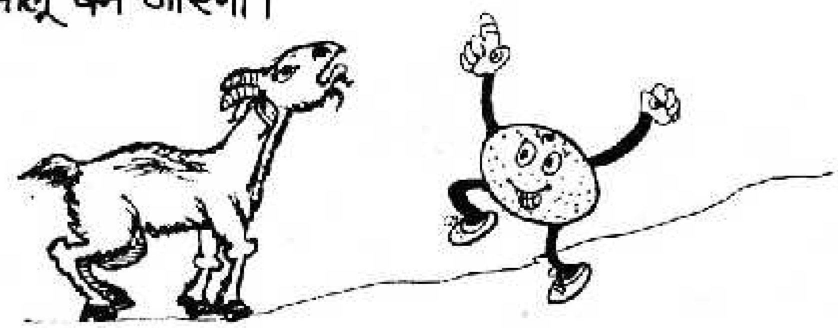
खाऊं ने ऊपर देखा –
हाय राम रे, ये मुझे क्या हुआ!
नाक मेरी **आलू** बन गई
हवा में मैं कैसे उड़ रहा।



फिर खाऊँ ने पूछा-
अच्छा, अगर तुम्हें साँप
खा ले तो?

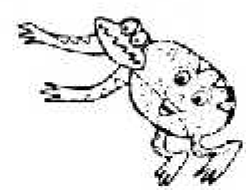


आलू हँसा -
साँप अगर मुझे खाएगा
तो खुद आलू बन जाएगा।



खाऊं ने ऊपर देखा- अरे, अरे - ये साँप को क्या हो गया?

खाऊं ने अब थोड़ा डरते हुए पूछा -
बोलो, अगर मेंढक तुम्हें खा गया तो क्या होगा?



आलू फिर हँस कर बोला -
मेंढक अगर मुझे खाएगा
तो खुद आलू बन जाएगा।

खाऊं ने ऊपर देखा - अरे बाप रे -
मेंढक कैसे फुदक रहा है?
आकाश में आलू के पेट
वाला मेंढक फुदकता
जा रहा था।



खाऊ इस अनोखे आलू से अब बहुत डर गया था। फिर भी उसने पूछा - **अगर हाथी तुम्हें खा जाए तो क्या होगा ?**

आलू आँखें नचा कर बोला - **हाथी अगर मुझे खाएगा**

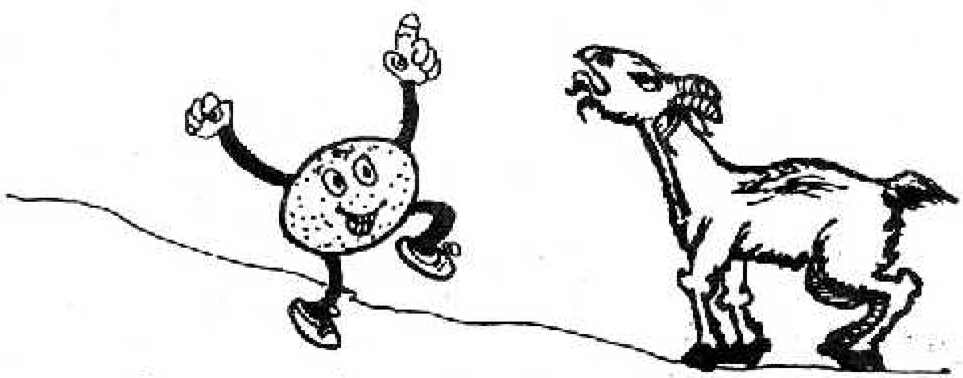
तुम बताओ कैसा बन जाएगा।

और **चीता अगर मुझे खाएगा**

तो कैसा बन जाएगा ?

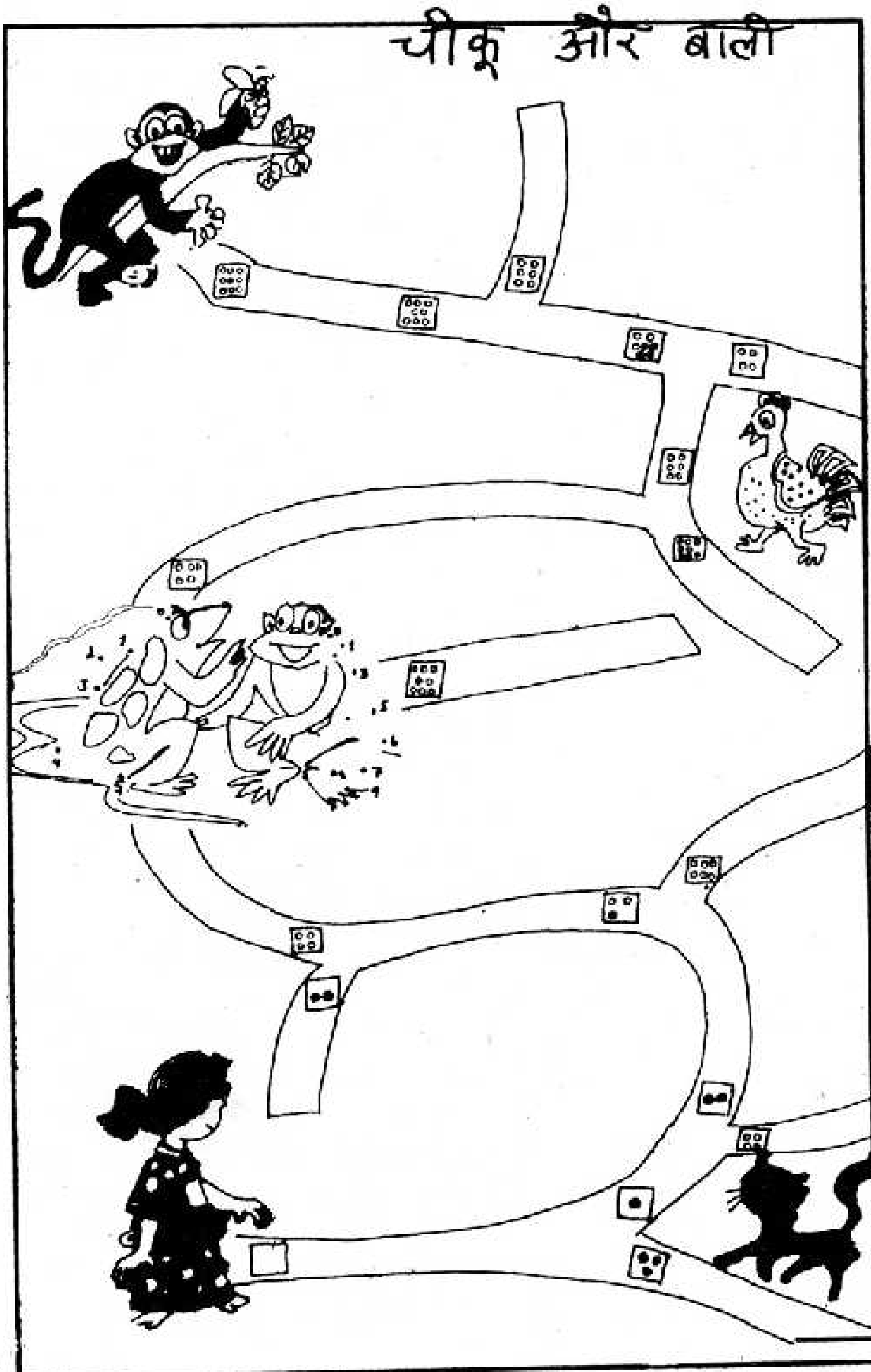
और **शेर अगर मुझे खाएगा**

तो कैसा बन जाएगा ?

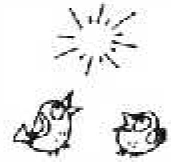
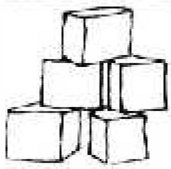
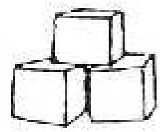
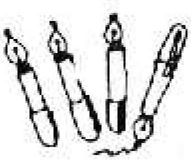
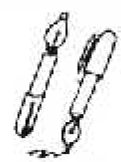
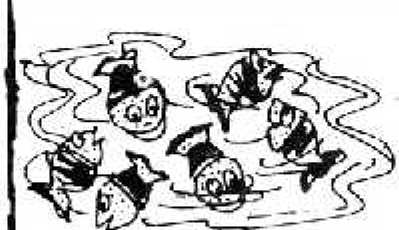


यह सब देख कर तो खाऊ बहुत ही डर गया था। उसने सोचा - अगर मैं और रूका तो मैं शायद आलू ही बन जाऊंगा।

वह मुड़ा और फटा-फट वहाँ से भाग लिया।


चीकू और बाली

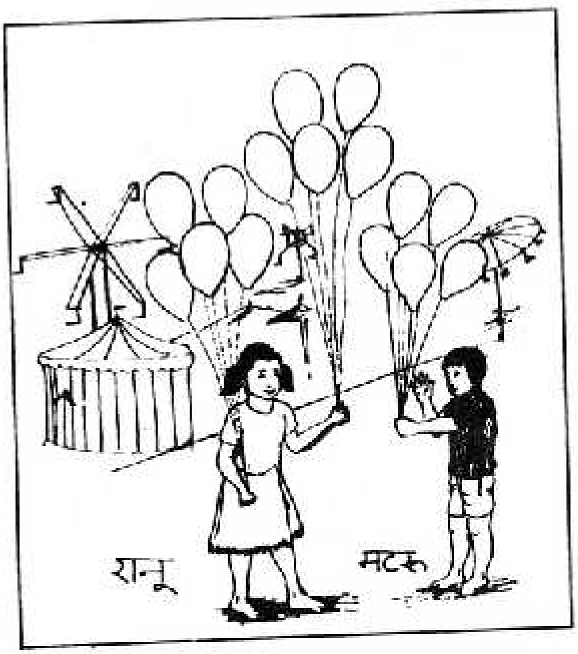
कितने बचे....?

 —  तीन चिड़िया में से एक उड़ गई।	 कितनी बचीं?	3 -1 2
 —  पांच डिब्बों में से तीन निकालो।	कितने बचे?	5 -3
 —  चार पेन में से मटरु दो ले गया।	कितने बचे?	4 -
   तालाब में 6 मछलियाँ थीं। मोहन ने 4 मछलियाँ पकड़ ली। कितनी बचीं?		
   मदन के पास 3 पत्थर थे। उसने तीनों पानी में फेंक दिए। कितने बचे?		

फुग्गे



रानू और मटरू मेला देखने गए।
वहाँ उन्होंने फुग्गे खरीदे।



रानू ने मटरू से कहा-
मेरे पास दस फुग्गे हैं।
तेरे पास तो सिर्फ पाँच
ही हैं।

दोनों के **मिलाकर** कितने फुग्गे
हुए?

+ ___

___



मटरू ने कहा - हमारे पास 15 फुग्गे हैं। राजू के पास तो 2 ही हैं।

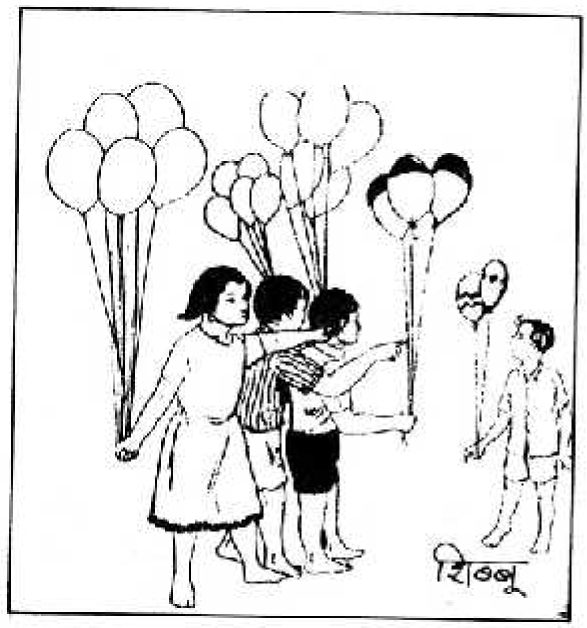
तीनों के मिला कर कितने फुग्गे हुए?

$$\begin{array}{r} \\ +\ \underline{\qquad} \\ \underline{\qquad} \end{array}$$

रानू - शिब्बू तू भी हमारे साथ आ जा। हमारे पास खूब सारे फुग्गे हो जाएंगे।

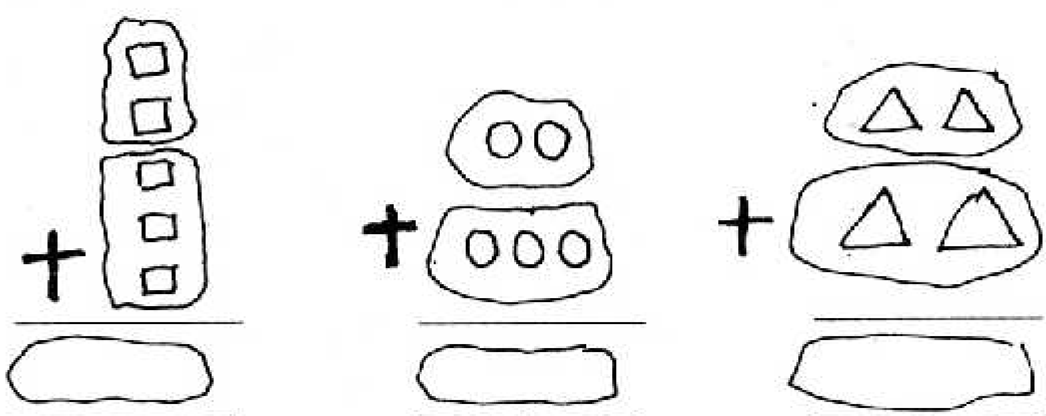
कितने सारे हो जाएंगे?

$$\begin{array}{r} 17 \\ +\ \underline{\ \ 2} \\ \underline{\qquad} \end{array}$$

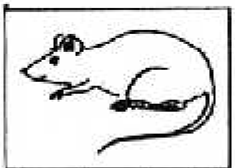


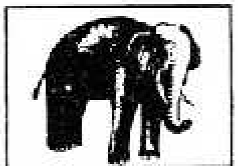
इन्हें भी जोड़ो

3 + 2	4 + 1	2 + 1
2 + 2	4 + 4	6 + 3
7 + 2	2 + 7	2 + 3



चूहा हाथी


चूहा


हाथी

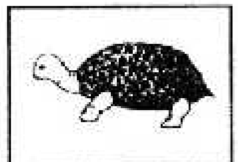
तराजू

—ता

चकला

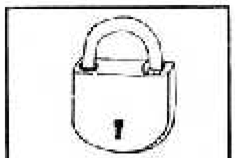

—लटेन

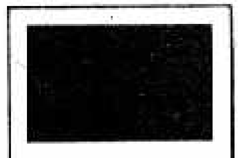
ढोलक


—छुआ

माला

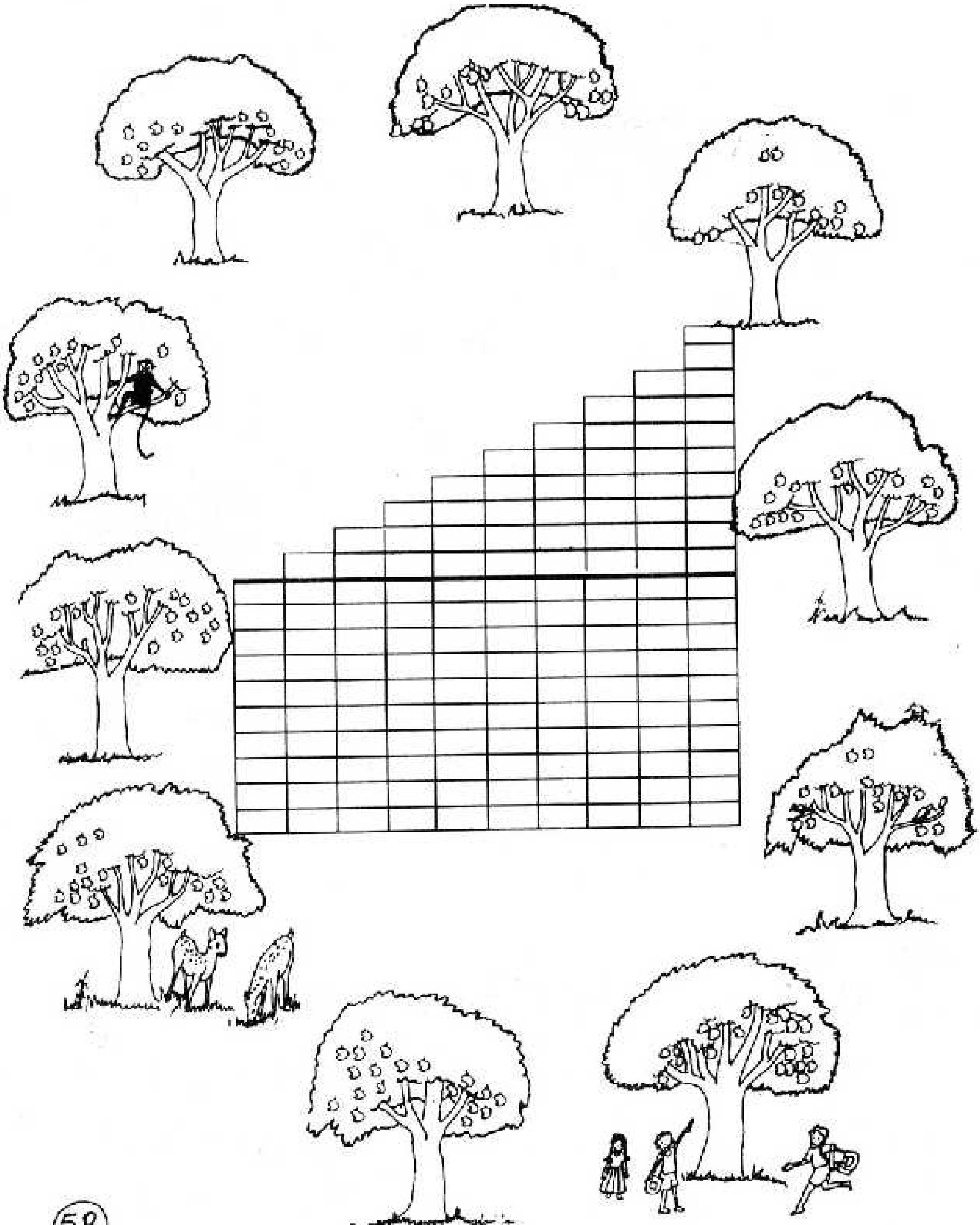
जाला


—ला

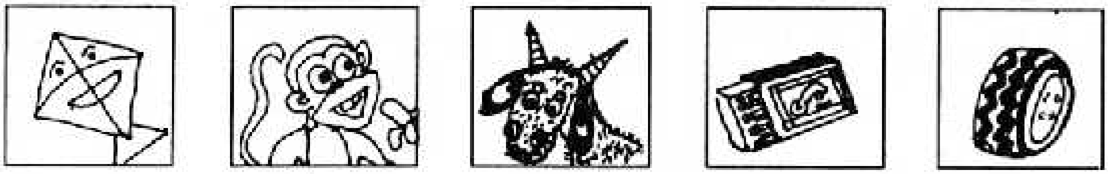

—ला

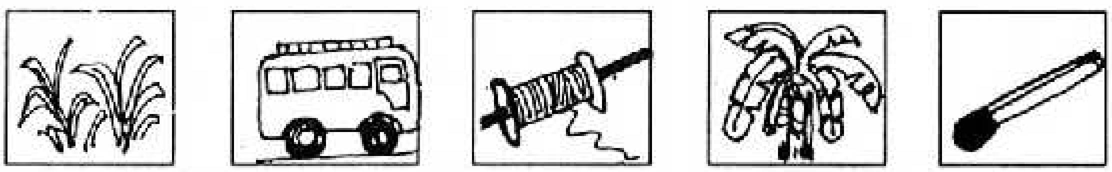
पली	परी	प	प—	प—	
मन	मान	मना	पट	प—	प—
पर	पीर	परी	कस	—स	क—

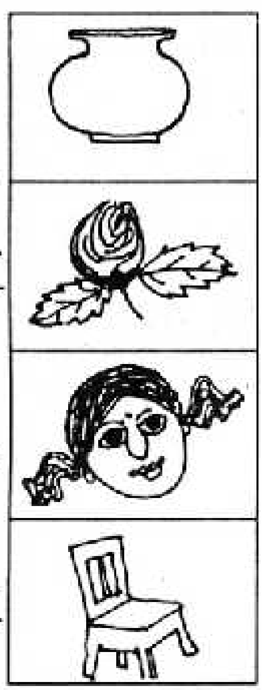
 हाथी आया।  चूहा आया।  गधा आया। हाथी जंगल गया। चूहा घर गया। गधा बाज़ार गया। हाथी ने  केला खाया। चूहे ने  आम खाया। गधे ने  टमाटर खाया। हाथी सो गया। चूहा सो गया। गधा सो गया।



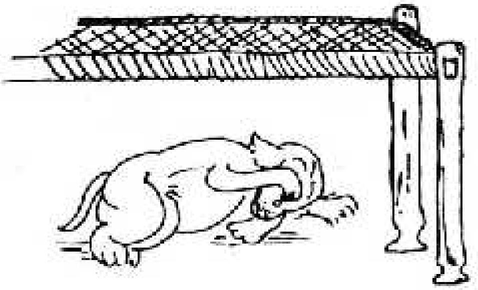
कौन किसके साथ?







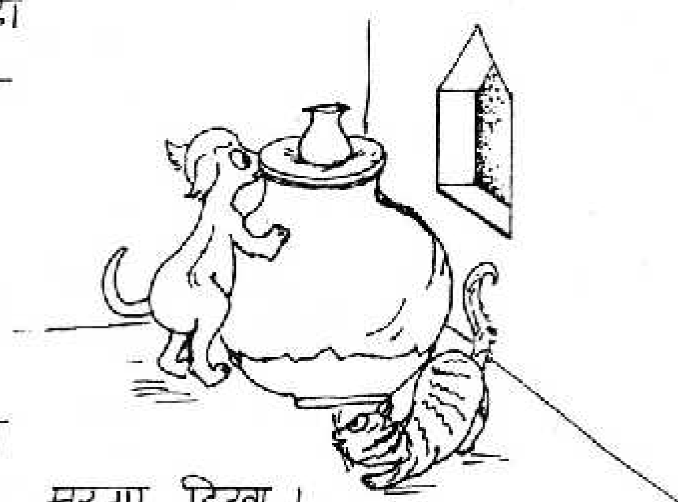
किसने बोला 'म्याऊँ'?



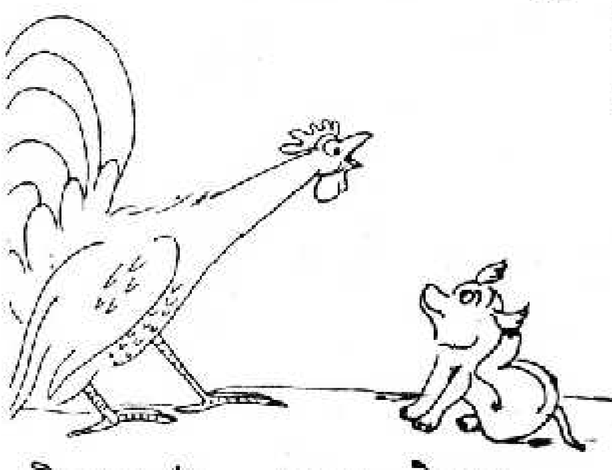
एक पिल्ला खाट के नीचे सो रहा था। तभी उसे एक आवाज़ आई - 'म्याऊँ'।

पिल्ला झट उठ बैठा। इधर - उधर देखा। सब जगह ढूंढा कि आवाज़ कहाँ से आई -

पेटी के ऊपर,
चादर के नीचे,
मटके के पीछे।
पर कहीं कोई न था।



घर से बाहर आया तो पिल्ले को एक मुरगा दिखा।



पिल्ले ने मुरगे से पूछा-
क्या तुमने बोला 'म्याऊँ'?
नहीं, मैं तो 'कुक्कड़ू कूं' बोलता हूँ। मुरगा बोला।
कुछ और नहीं बोल सकते?- पिल्ले ने पूछा।
नहीं, मैं तो कुक्कड़ू कूं बोलता हूँ - मुरगा बोला।
पिल्ला सिर खुजाता हुआ आगे चला।



तभी फिर किसी ने कहा -
'म्याऊँ' ।
पिल्ला नींबू के झाड़ के
नीचे खोदने लगा। एक चूहा
फुदककर बाहर निकला।

पिल्ले ने चूहे से पूछा - **क्या तुमने बोला 'म्याऊँ' ?**
नहीं मैं तो 'चीं-चीं-चीं' बोलता हूँ - चूहा बोला। और
डर कर भाग गया।

पिल्ला गेंदे के फूल के पास पहुँचा।
फिर आवाज़ आई - '**म्याऊँ**'। फूल पर एक
मधु-मक्खी बैठी थी। पिल्ले ने मक्खी
से पूछा - **क्या तुमने बोला 'म्याऊँ'** ?
नहीं, मैं तो भिन्न-भिन्न-भिन्न बोलती हूँ।
मधु-मक्खी पिल्ले की नाक पर डंक मार कर उड़ गई।

पिल्ला आऊं-आऊं करता हुआ तालाब में कूद गया।



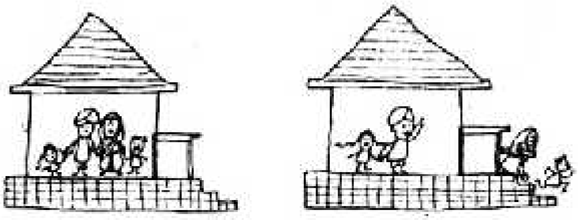
वहाँ उसे फिर सुनाई
दिया - **म्याऊँ**'। पानी
में एक मछली तैर रही
थी। पिल्ले ने मछली से
पूछा - **क्या तुमने बोला
म्याऊँ ?**
मछली कुछ बोली नहीं।
अपनी पूंछ हिला कर आगे निकल गई।

पास ही एक पत्ते पर एक मेंढक बैठा था।
पिल्ले ने मेंढक से पूछा, **क्या तुमने बोला 'म्याऊँ'** ?
मेंढक बोला - मैं तो टर्र-टर्र-टर्र बोलता हूँ।
और वह पानी में कूद कर गायब हो गया।

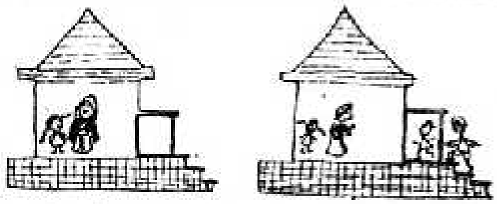
किसने बोला **म्याऊँ** ? पिल्ला सोचता - सोचता वापस घर पहुँचा। वह अपनी खाट के नीचे घुस रहा था कि फिर से आवाज़ आई - '**म्याऊँ**'। पिल्ला चौंका। अब तुम ही उसे बताओ कि किसने बोला म्याऊँ। और वह कहाँ छुपी होगी कि पिल्ला उसे ढूंढ नहीं पाया?



जोड़ो घटाओ



एक घर में 4 लोग थे। थोड़ी देर बाद 2 लोग बाहर चले गए। कितने बचे?



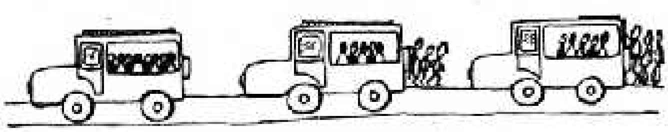
एक घर में 2 लोग थे। कुछ देर बाद 2 लोग बाहर से आ गए। कितने लोग हो गए?



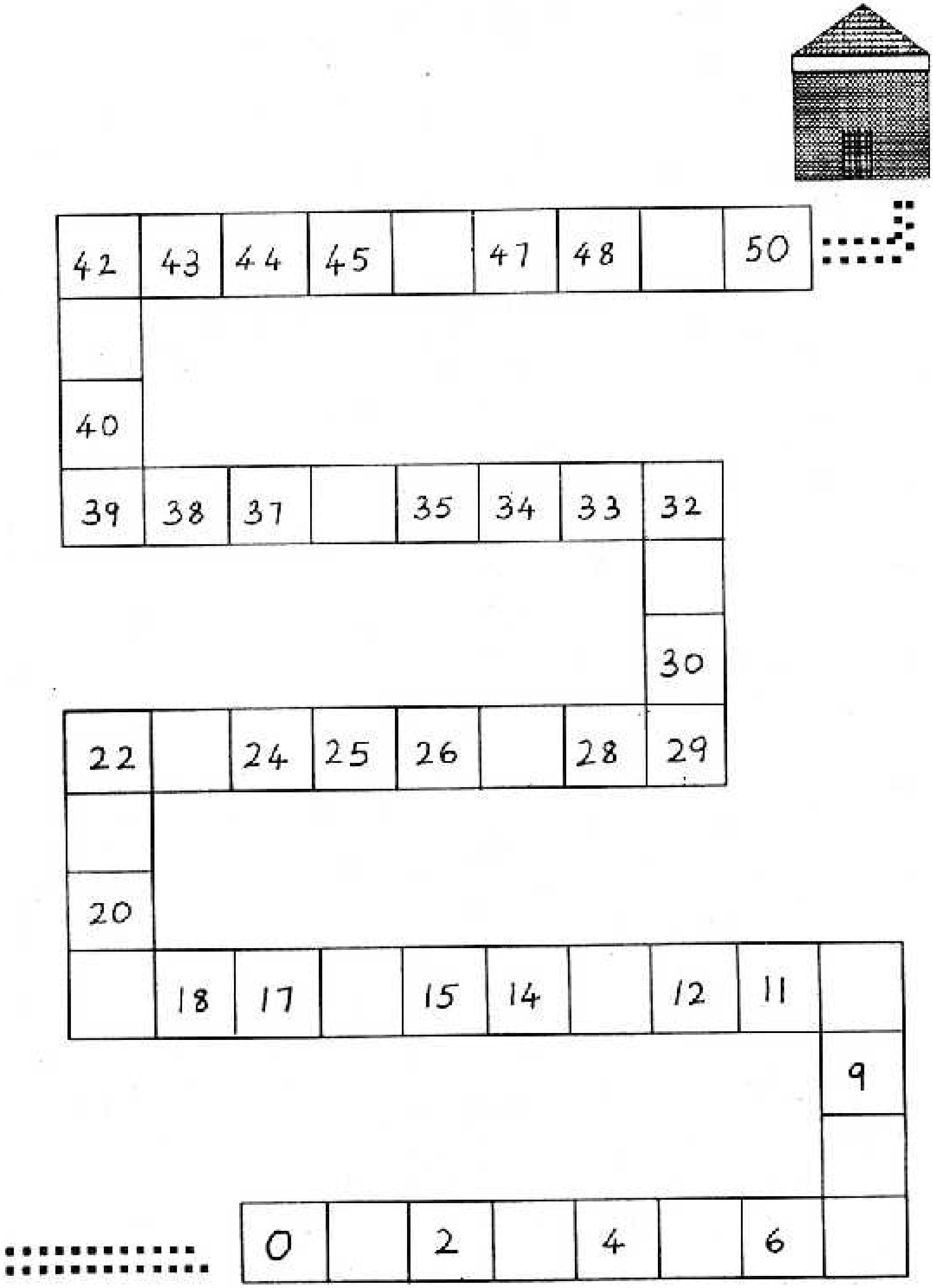
ललिता के पास 6 टोकरी गुल्ली थी। एक आदमी ने दो टोकरी ले ली। कितनी टोकरी बची?



ललिता बाई के पास 4 टोकरी गुल्ली थी। लछमी ने 2 टोकरी और दे दी। ललिता बाई के पास कितने टोकरी गुल्ली हो गई?



शाहपुर से एक जीप में 8 लोग बैठे। तीन सवारी बरेठा उतर गई। कितनी सवारी बची? पाढर पर तीन सवारी और चढ़ीं। अब जीप में कितने लोग हो गए?

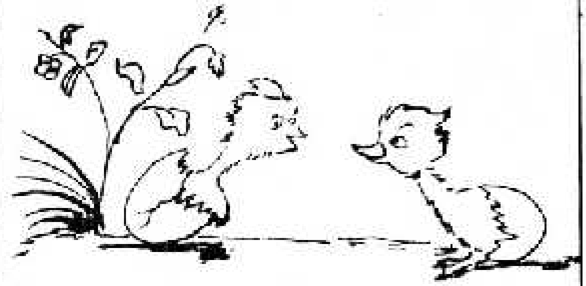

0
2
4
6
9
11
12
14
15
17
18
20
22
24
25
26
28
29
30
32
33
34
35
37
38
39
40
42
43
44
45
47
48
50



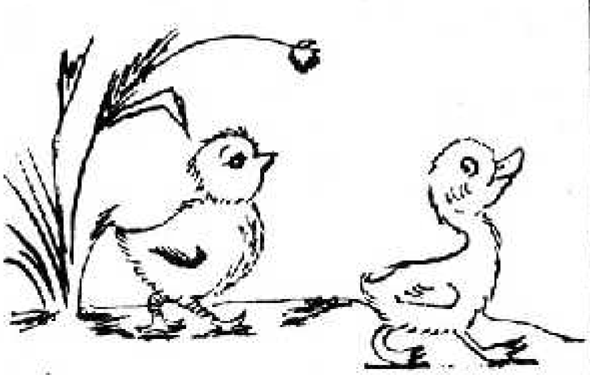
मैं भी



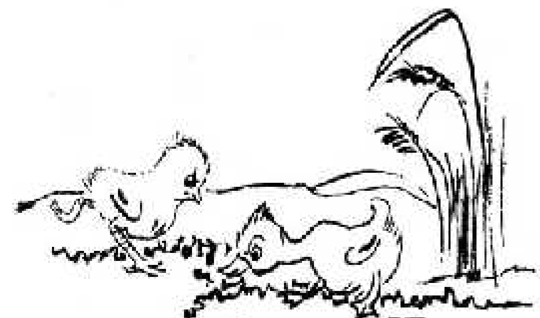
एक अंडे में से बत्तख निकली।
मैं आ गई - वह बोली।



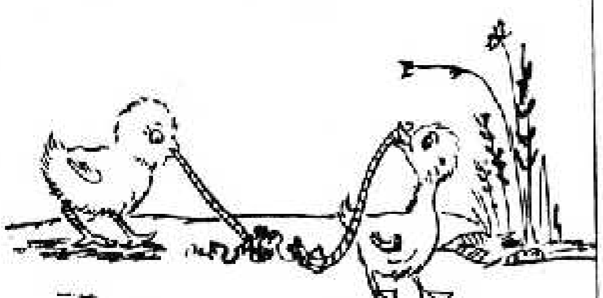
दूसरे अंडे में से चूज़ा निकला।
मैं भी - वह बोला।



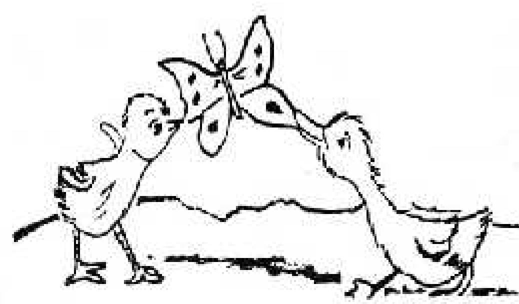
मैं घूमने जा रही हूँ - बत्तख बोली।
मैं भी - बोला चूज़ा।



मैं गड्ढा खोद रही हूँ - बत्तख बोली।
मैं भी - बोला चूज़ा।

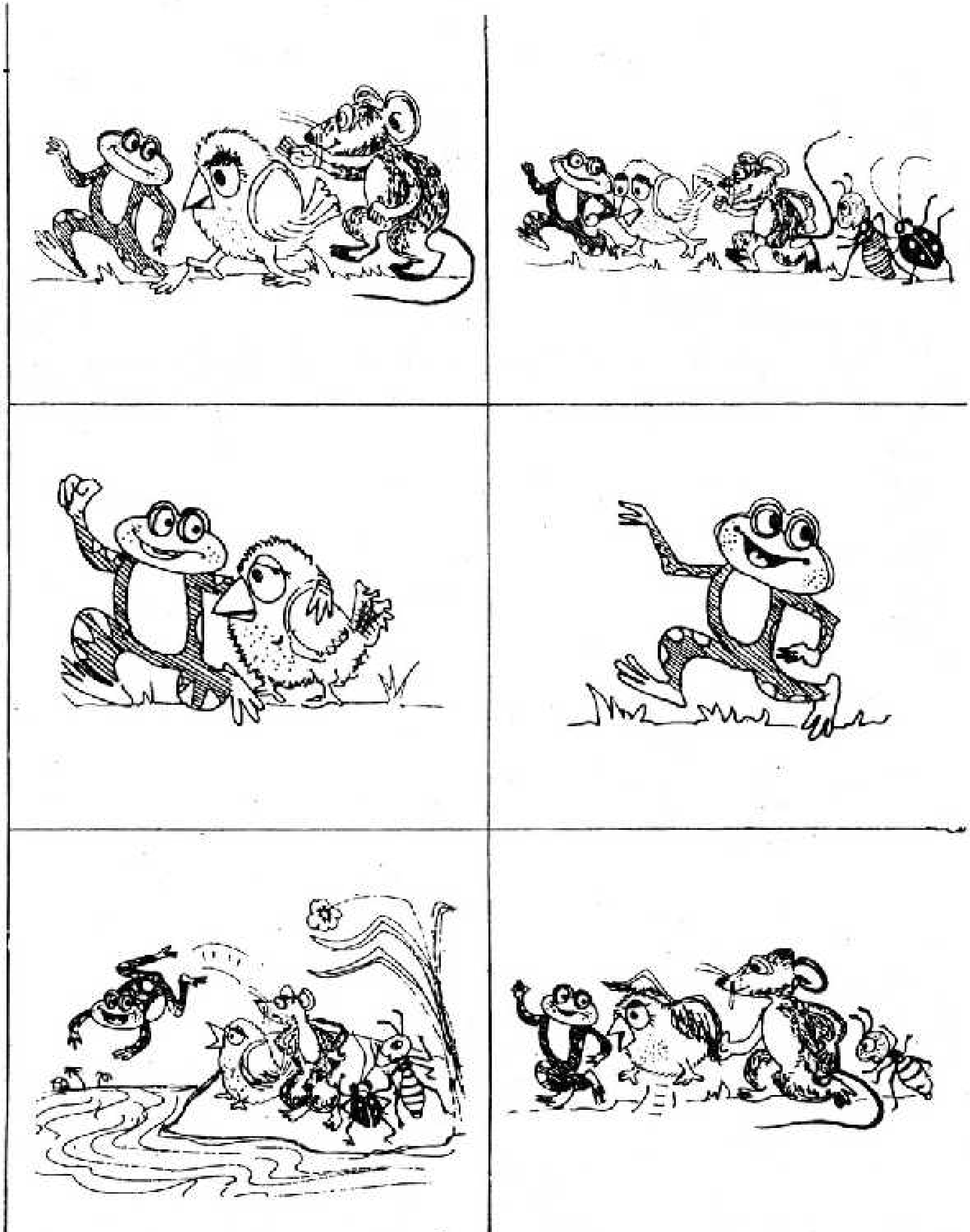


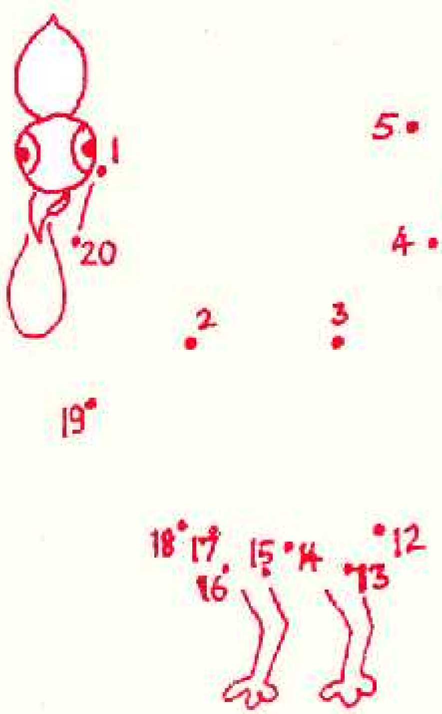
मुझे एक केंचुआ मिला - बत्तख बोली।
मुझे भी - बोला चूज़ा।

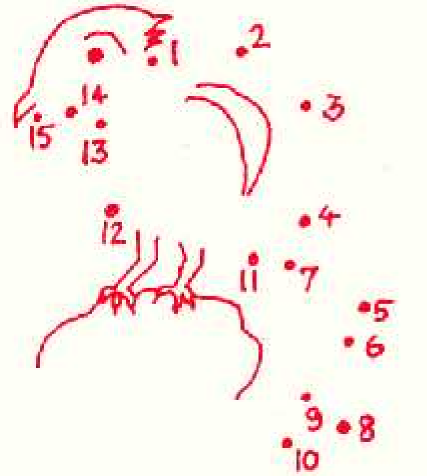


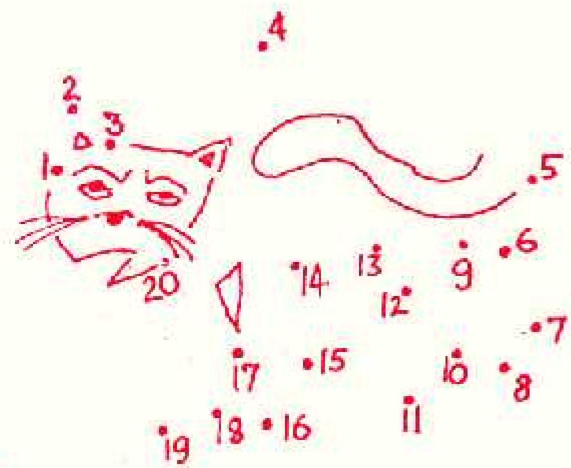
मैं ने तितली पकड़ी - बत्तख बोली।
मैं ने भी - बोला चूज़ा।

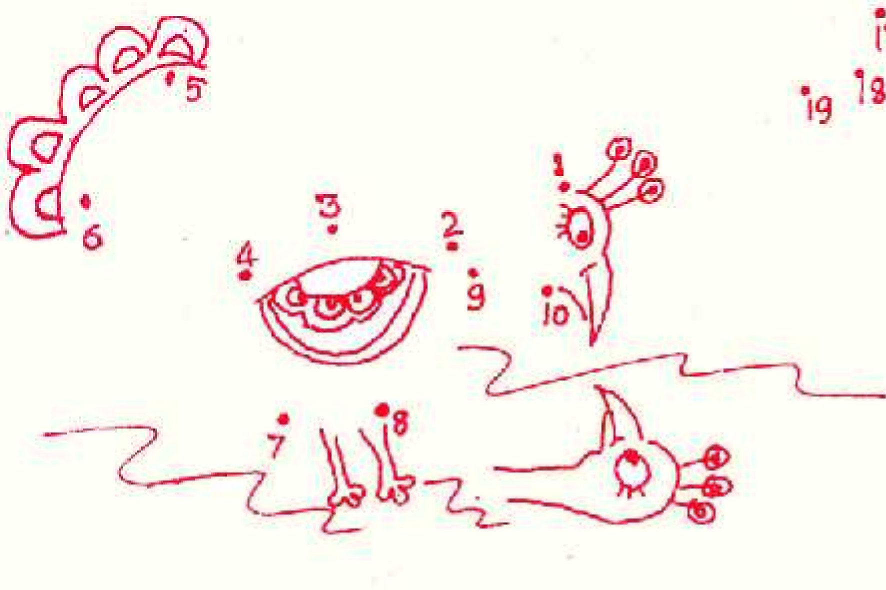

मैं तैरना चाहती हूँ - बत्तख बोली।
मैं भी - बोला चूज़ा।
देखो, मैं तैर रही हूँ - बत्तख बोली।
मैं भी - बोला चूज़ा।
बचाओ!
बत्तख ने चूज़े को बाहर निकाला।
मैं फिर तैरने जा रही हूँ - बत्तख बोली।
मैं नहीं - बोला चूज़ा।

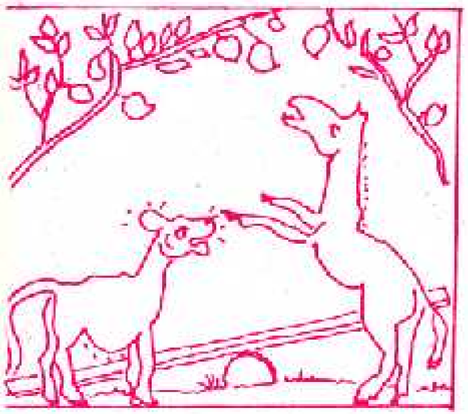
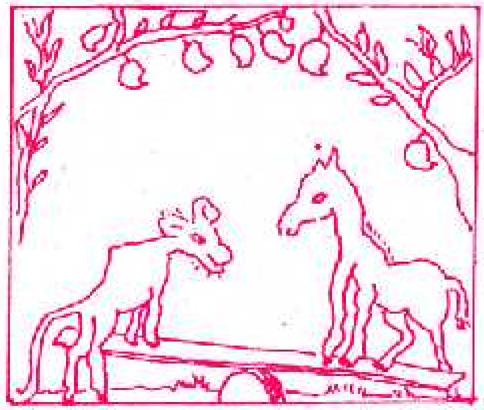
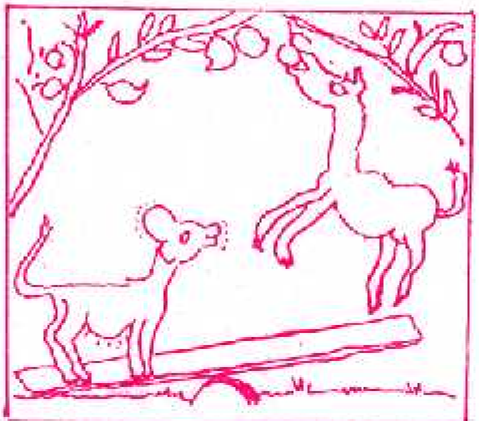
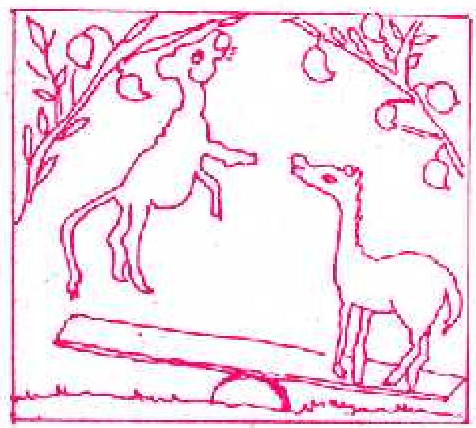
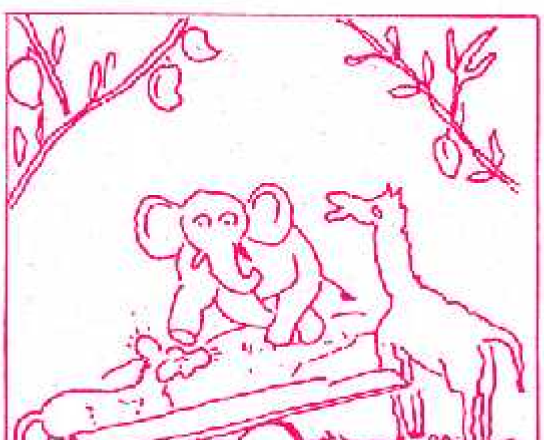
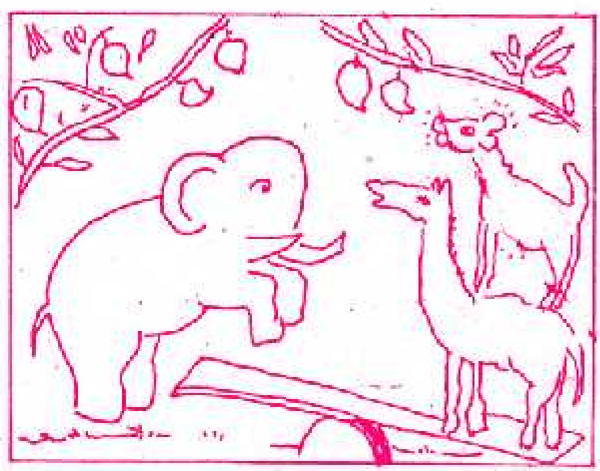










ISBN: 978-81-87171-56-0

मूल्य: ₹ 42.00

A0542H

एकलव्य